RNI-MPHIN/2018/75526

वर्ष-08 |अंक-282| पृष्ठ 08| मूल्य 02/-

दैनिक कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, सोमवार 20 जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष-6, विक्रम संवत् 2083

पेज-6

में यूसीसी बिल को कैबिनेट की मंजूरी: विधानसभा सत्र में पेश करने की तैयारी: सीएम बोले-

यूसीसी एक युगांतकारी फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड, यूसीसी) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रविवार को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यूसीसी विधेयक-2026 के ड्राफ्ट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अब इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा। विधानसभा का सत्र कल से शुरू हो रहा है। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार विधेयक को विधानसभा में पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। समानता भारतीय संस्कृति और मूल्यों का अभिन्न हिस्सा रही है। इसी भावना के अनुरूप सरकार ने यह कदम उठाया है। देश में उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य है, जबकि गुजरात और असम में यूसीसी विधेयक पारित हो चुका है।

भोपाल के इतिहास का भी किया उल्लेख

कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने भोपाल के गौरवशाली इतिहास का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भोपाल का इतिहास परमार राजवंश और राजा भोज से जुड़ा है। यह क्षेत्र प्राचीन काल से सनातन संस्कृति का केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल का गहरा संबंध गोंड राजवंश से भी है। मदन शाह और संग्राम शाह जैसे शासकों ने क्षेत्र के विकास में योगदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा- इतिहास में राजा निजाम शाह की विष देकर हत्या और उसके बाद रानी कमलापति द्वारा अपने पुत्र एवं प्रजा की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष का भी विशेष महत्व है।

मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2026 का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2026 का अनुमोदन किया। साथ ही विधेयक को विधानसभा में पुन:स्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश राजमार्ग वधेयक, 2026 का अनुमोदन किया। विधेयक को विधानसभा में पुन:स्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया गया।

मध्यप्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026' का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद ने मध्यप्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026 का अनुमोदन दिया। साथ ही विधेयक को विधानसभा में पुन:स्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग को अधिकृत किया गया। मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक, 2026 का अनुमोदन।

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल ने मोदी को चिट्ठी लिखी

ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों; टिन्नू से आज भी पूछताछ

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, जिससे हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ? जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो। शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा- आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की। यह बात जगजाहिर है कि ट्रस्ट के सदस्य आरएसएस, वीएचपी और उसके सहयोगियों से जुड़े हैं। पूर्व महासचिव भी आपके करीबी थे। ऐसे में आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं है। जवाबदेही सुनिश्चित करना आपका कर्तव्य है। सरकार और ट्रस्ट की साख इसी बात पर टिकी है।

दान पेटियों की चाबियां और गिनती की निगरानी की जिम्मेदारी टिन्नू के पास थी

इधर, आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष की पुलिस कस्टडी का आज आखिरी दिन है। शनिवार सुबह साढ़े 8 बजे पुलिस दोनों को जिला जेल से अपने साथ 39 घंटे की रिमांड पर ले गई थी। पुलिसकर्मी रात 11 बजे तक एसओजी ऑफिस में ही मौजूद रहे। आरोपियों को कहीं और नहीं ले जाया गया। टिन्नू, पूर्व महासचिव चंपत राय का करीबी रहा है। वह मंदिर के दानपात्रों की देख-रेख करता था।

कल सुप्रीम कोर्ट में होगी चढ़ावा चोरी की सुनवाई

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट में 20 जुलाई को सुनवाई होगी। ष्टछ्व जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बेंच इस मामले पर आगे की सुनवाई करेगी। 13 जुलाई को हुई पिछली सुनवाई में कोर्ट ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया था। यूपी सरकार से स्ङ्खञ्ज की स्टेटस रिपोर्ट एक सप्ताह में जमा करने को कहा था। अब 20 जुलाई को यही रिपोर्ट और ट्रस्ट का जवाब कोर्ट के सामने आएगा। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बीच विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 23 जुलाई को होगी।

बिहार में 40 लोगों से भरी नाव नदी में पलटी

लोग बोले- 15 की क्षमता थी, नाव वाले ने जबरदस्ती बैठाया

सीतामढ़ी+शिवहर। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद बिहार में कोसी, बागमती समेत कई नदियां उफान पर हैं। इसी बीच रविवार को सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर स्थित बागमती नदी में 40 लोगों से भरी एक नाव पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने नदी में छलांग लगाकर यात्रियों को बचाया। कई लोग खुद तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शी अमित ने बताया, नाव चालक हम लोगों से भी कह रहा था कि आ जाइए, नदी पार करा देंगे। दूसरी बार में देर हो जाएगी, जल्दी पहुंच जाएंगे, लेकिन हमने नाव पर ज्यादा भीड़ देखकर मना कर दिया। थोड़ी ही देर बाद नाव पलटने की जानकारी मिली।

अपील, दलील या वकील करने का मौका नहीं

अमेरिका से 18 हजार भारतीय डिपोर्ट होंगे

ट्रम्प सरकार ने 2025 में भारतीयों को हथकड़ी-बेड़ियां पहनाकर भेजा था

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डिपोर्टेशन का बड़ा अभियान छेड़ने की तैयारी कर ली है। अमेरिका में 18 हजार अनडॉक्युमेंटेड (बिना दस्तावेज) भारतीय निशाने पर आ गए हैं। इस बार भी ट्रम्प प्रशासन डिपोर्टेशन के लिए सैन्य विमानों के इस्तेमाल की तैयारी में है, जो उनकी सख्त इमिग्रेशन नीति की सबसे चर्चित तस्वीर बन चुका है। अनडॉक्युमेंटेड भारतीयों को न अपील, न दलील और न ही वकील करने का मौका मिलेगा।

मानसून सत्र से पहले 3 घंटे सर्वदलीय बैठक: 40 पार्टियां शामिल, रिजिजू बोले- सबने अपनी बात रखी

वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश होगा

नई दिल्ली। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने टीएमसी के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है। उधर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद कहा कि, मीटिंग में अच्छी चर्चा हुई। सबने अपनी बात रखी। सदन बिना रुकावट चले, यह हम सभी की जिम्मेदारी है।

उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में 22 जून को फिर बगावत हुई थी। लोकसभा के कुल 9 में से 6 सांसद पार्टी से अलग होकर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए थे। लोकसभा में अब शिंदे के सांसदों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। शिंदे के साथ सभी 6 सांसदों ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका ऐलान किया था। डिप्टी सीएम ने कहा, 'जब 2022 में हमने पार्टी और धनुष-बाण बचाने के लिए विद्रोह किया था।

दोनों गुट एनडीए के साथ, मोदी सरकार का संख्या बल बढ़ा

मोदी सरकार संसद में दो तिहाई बहुमत के और करीब आ जाएगी, जो संविधान संशोधन विधेयक पास करने के लिए अहम है। सरकार महिला आरक्षण कानून लागू करने और परिसीमन विधेयक के जरिए संसद और राज्य विधानसभाओं की संख्या बढ़ाने वाले संविधान संशोधन विधेयक पास कराने के लिए जरूरी संख्या जुटानी की कोशिश कर रही है।

जॉर्डन में ईरानी सेना की कार्रवाई

अमेरिकी हमलों में 50 मौतें, मोजतबा बोले- ट्रंप के हस्ताक्षर बेकार

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी हैं। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ जारी जंग के बीच कभी न भूलने वाले सबक सिखाने की चेतावनी दी है। शनिवार को खामेनेई ने कहा, अगर अमेरिकी सेना इस्लामी गणराज्य पर हमला करना जारी रखता है तो उसे अविस्मरणीय अंजाम भुगतने को तैयार रहना चाहिए। खामेनेई ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को भी बेकार और अमान्य करार दिया। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब कुछ घंटे पहले शांति समझौते से जुड़े एक वार्ताकार ने कहा कि तेहरान लगभग एक महीने पहले हुई डील को खत्म कर रहा है। करीब 112 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है। मोजतबा खामेनेई युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक सामने नहीं आए हैं।

सिख प्रचारक बोले-

खालिस्तान का सीएम किसे बनाओगे, बिना प्लानिंग शोर मचाते हैं

पंजाब। पंजाब के सिख प्रचारक सर्बजीत सिंह धुंदा ने खालिस्तान की बात करने वालों को उनकी असलियत दिखाई है। खालिस्तान को लेकर उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें धुंदा ने कहा कि खालिस्तान की मांग करने वालों के पास कोई रोड मैप नहीं है। खालिस्तान की मांग करने वालों को तो यह भी पता नहीं है कि इसे बनाना कहां है? धुंदा ने कहा- उन्हें खालिस्तान कभी नहीं मिलेगा। अगर एक फीसदी मान भी लो कि खालिस्तान बन भी गया तो आपका सीएम कौन होगा? खालिस्तान बने बिना हम कुछ हद तक एकजुट तो हैं। अगर बन गया तो जुत्तमजुत्ता हो जाएंगे। ऐसे राज में फिर कौन रहेगा? सीएम को लेकर नानसरिए कहेंगे कि वह हमारा हो, टकसाली कहेंगे कि हमारा हो, मिशनरी कहेंगे कि हमारा हो। असली क्लेश तब होगा जब खजाना मंत्री पर बात आएगी। निहंग संगठन कहेंगे कि खजाना मंत्री हमारा लगाओ। खजाने की चाभी जब उनके पास होगी तो बरछा पकड़ कर खड़े हो जाएंगे। हिसाब-किताब कौन मांगेगा? मांग भी लिया तो कहेंगे कि खजाना तो रात का ही खत्म हो गया। हमने सबकुछ रात का घोड़ों को छका दिया। पत्नी चाय नहीं देती, बात खालिस्तान लेने की करते हैं।

जंतर मंतर पर हुजूम

तेज हुआ आंदोलन... सोनम के समर्थन में अन्ना हजारे भी आए

नई दिल्ली, एजेंसी

सोनम वांगचुक को जबरन अस्पताल में भर्ती कराने की खबर ने इस आंदोलन को और धार दे दी। उनकी तबीयत बिगड़ने की जैसे ही सूचना फैली, दिल्ली के जंतर-मंतर पर समर्थकों का हुजूम उमड़ पड़ा। कुछ ही घंटों में धरना स्थल छात्रों, युवाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों से भर गया। उनके समर्थन में अन्ना हजारे भी सामने आए।? हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल था...वांगचुक की सेहत कैसी है और उनकी मांगों पर आगे क्या होगा? प्रदर्शन के दौरान हाथों में तख्तियां और बैनर लिए समर्थकों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी एकजुटता दिखाई। जंतर-मंतर की यह हलचल जल्द सोशल मीडिया तक पहुंच गई एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक सहित विभिन्न प्लेटफॉर्म पर दिनभर सोनम वांगचुक से जुड़े हैशटैग चर्चा मे रहे। देखते ही देखते यह मुद्द डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी व्यापक चर्चा का विषय बन गया प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने बलपूर्वक कार्रवाई कर आंदोलन दबाने की कोशिश की, जबकि वे केवल पेपर लीक के खिलाफ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

अरुणाचल के 35 गांव में बाढ़...हिमाचल प्रदेश में भी लगातार बारिश

राजौरी में भारी बारिश से बाढ़, उफान पर नदी, सैकड़ों वाहन लापता

एएनआई, जम्मू,एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में लगातार भारी बारिश के कारण बाढ़ आ गई है। नदी का पानी उफान पर है। कई निचले इलाकों में पानी भर गया है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। लोगों में चिंता बढ़ गई है और जिला प्रशासन ने सतर्कता बरतने की अपील की है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर और पूर्वोत्तर भारत में मानसून एक सप्ताह सक्रिय रहेगा। अरुणाचल के 35 गांवों में बाढ़ से जनजीवन प्रभावित है। उत्तराखंड में भूस्खलन से रास्ते प्रभावित हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में मानसरोवर यात्रा रोकनी पड़ी है। राजौरी जिले में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से धरहल नदी का पानी उफान पर आकर न्यू बस स्टैंड बेला इलाके में फैल गया। सड़कें तालाब में तब्दील हो गईं। पार्किंग क्षेत्र में बाढ़ का पानी घुसने से बस स्टैंड पर खड़ी कई गाड़ियां डूब गईं। बारिश के दौरान बाजारों में पानी भर जाने से लोगों की आवाजाही प्रभावित रही। कई स्थानों पर नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगा, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों में घुसे पानी को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल निकासी व्यवस्था को और बेहतर बनाने की मांग की है। आवाजाही ठप होने पर चौथे दल के यात्रियों को धारचूला में रोका गया है। सड़क खुलने पर यात्री रविवार को धारचूला से गुंजी रवाना होंगे। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कार्मिक जेसीबी से मलबा, बोल्डर हटाकर सड़क खोलने में जुटे हैं। हिमाचल प्रदेश में भी लगातार बारिश का असर जनजीवन पर दिखा। चंबा में शनिवार सुबह केरू के पास भूस्खलन से पठानकोट-भरमौर नेशनल हाईवे कई घंटे बंद रहा। चुवाड़ी-भराड़ी मार्ग पर मलबे में फंसे एक वाहन से लोगों को सुरक्षित बचाया गया।

मानसून और स्वास्थ्य अलर्ट

उधमपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी अनिल मन्हास ने बताया कि मानसून का मौसम शुरू हो गया है। उनका विभाग पूरी तरह से सतर्क है। टीमें मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए क्षेत्रीय दौरे कर रही हैं। लोगों को पानी में क्लोरीन मिलाने के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

डेंगू और मलेरिया से बचाव

पूरे जिले में डेंगू और मलेरिया को लेकर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इस साल जनवरी से अब तक डेंगू के सिर्फ नौ मामले सामने आए हैं। इनमें से ज्यादातर मरीज ठीक भी हो चुके हैं। मन्हास ने कहा कि हमें अपने आसपास रुका हुआ पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। कूलर का पानी रोज बदलना चाहिए, क्योंकि दो-तीन दिन में मच्छर के लार्वा पनप सकते हैं।

एक नजर

डेंगू मलेरिया की रोकथाम जरूरी, जमा नहीं होने दें पानी: निगमायुक्त

ग्वालियर। बारिश के मौसम में मच्छर जनित संक्रामक एवं डेंगू मलेरिया इत्यादि फैलने का खतरा रहता है। निगमायुक्त संघ प्रिय ने सभी शहरवासियों से अपील की है कि वह अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों के आसपास पानी जमा नहीं होने दें। आमजनों को जागरूक करने के लिए नगर निगम अभियान चलाया जा रहा है।मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि मौसम में बदलाव होने से मच्छर जनित बीमारिया जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया के बचाव के लिए आमजन को चाहिए कि वह अपने आस-पास एवं घर में रखे कूलर, टूटे फूटे डिब्बे, टायर, बर्तन, बोतलें एवं फूलदान में पानी अधिक समय तक जमा न होने दें। रूकी हुई नालियों को नियमित रूप से साफ करायें और जरूरत पडने पर केरोसिन या मोविल ऑयल डालें। घर के खिड़कियों और दरवाजो पर मच्छर रोधक जाली लगवाये। घर के अन्दर विशेष कर छोटे बच्चों को दिन में फुल आस्तीन के कपड़े पहनाये और अन्य सदस्य भी शरीर को पूरा ढकने वाले कपड़े पहने। चूंकि डेगू फैलाने वाला मच्छर दिन में काटता है। इसलिए दिन के समय भी मच्छरदानी, मच्छर नाशक क्रीम स्प्रे, मैट्स, कॉइल्स का इस्तेमाल करें। अगर आपको डेंगू के लक्षण जैसे सिर दर्द, आंखों के पीछे दर्द, मासपेशियों, हड्डियों व जोडी में दर्द, त्वचा पर लाल चकत्ते, जी मचलाना, उल्टी, बुखार महसूस हो रहे है, तो बिना देरी किये नजदीक के किसी भी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर अपनी जाच एवं ईलाज करावें। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशानुसार शहर में आमजनों को जागरूक करने के लिए सपफाई अपनाओ बीमारी भगाओं अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मानपुर पीएम आवास, बहोडापुर, ट्रांसपोर्ट नगर सहित विभिन्न स्थानों पर लोगों को जागरूक किया गया।

आचार्यश्री चैत्य सागर सहित आठ संतो का हुआ

मंगल प्रवेश, जगह जगह हुए पाद प्रक्षालन

ग्वालियर। ग्वालियर दिगंबर सकल जैन समाज की ओर से आचार्यश्री विमल सागर महाराज के शिष्य आचार्यश्री चैत्य सागर महाराज ओर मुनिश्री अनुमान सागर महाराज ससंघ का आठ संतो का एक साथ भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा शुक्रवार को खासगी बाजार स्थित दिगंबर आदिनाथ जैन मंदिर से निकाली गई। आचार्यश्री चैत्य सागर महाराज ओर अनुमान सागर महाराज ससंघ की आगवानी सम्पूर्ण ग्वालियर सकल जैन समाज ने सम्मिलित होकर जयकारों के साथ की।जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज, मुनिश्री अनुमान सागर महाराज, गणिनी आर्यिका श्री शाश्वत श्री माताजी, आर्यिका श्री स्वात्मश्री माताजी, आर्यिका श्री पुरुषार्थ श्री माताजी, आर्यिका श्री समवशरण श्री माताजी, ऐलक श्री उत्सव सागर महाराज एवं क्षुल्लक श्री अरति सागर महाराज ससंघ की मंगल प्रवेश शोभायात्रा खासगी बाजार स्थित दिगंबर आदिनाथ जैन मंदिर से शुरू हुई। इस शोभायात्रा में सबसे आगे युवा हाथों में जैन ध्वजा लेकर चल रहे थे। वही ढोल ताशे पर भजनों पर युवक और युवतियां जमकर नृत्य कर रहे थे। मंगल प्रवेश शोभायात्रा खासगी बाजार जैन मंदिर से शुरू होकर गांधी मार्केट, मोर बाजार, दाना ओली से नई सडक़ स्थित कार्यकम स्थल चंपाबाग धर्मशाला पहुंची।जिन मुख्य मार्गों से आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज की मंगल प्रवेश शोभायात्रा गूजरी उस रस्ते में जैन सोशल ग्रुप ग्वालियर, दिगंबर जैन युवा जागरण मंच ग्रेटर, आप ओर हम टीम, दिगंबर जैन नागौरी, वरैया जैन मंदिर, जैसावाल जैन मंदिर, जैन मिलन महिला नेमीनाथ, चंपाबाग जैन मंदिर ने आचार्य श्री के चरणों का जल से पद प्रक्षालन कर भव्य आरती उतारी।

सीईसी टीम धौलपुर पंहुची, चंबल बजरी खनन निगरानी का निरीक्षण

धौलपुर। केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति के चेयरमैन चन्द्र प्रकाश गोयल एवं सदस्य अंजन मोहन्ती धौलपुर पंहुचे। धौलपुर भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सीईसी टीम प्रतिबंधित चंबल बजरी के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए धौलपुर प्रशासन द्वारा की जा रही निगरानी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। समिति ने सर्वप्रथम अभय कमांड एवं कंट्रोल सेंटर का भ्रमण कर जिले में स्थापित सीसीटीवी कैमरा नेटवर्क, संवेदनशील मार्गों एवं चेक पोस्टों की रियल टाइम मॉनिटरिंग तथा अवैध बजरी खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए अपनाई जा रही तकनीकी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।

इस दौरान अधिकारियों द्वारा समिति को निगरानी तंत्र, त्वरित कार्रवाई की प्रक्रिया तथा विभिन्न विभागों के समन्वय से संचालित व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी, जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव, उप वन संरक्षक वी चेतन, आशीष व्यास सहित खनिज विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस एवं प्रशासन के इनअधिकारियों ने समिति को अवगत कराया कि प्रतिबंधित चंबल बजरी के अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम हेतु जिले में 24 घंटे निगरानी, नियमित गश्त, विशेष नाकाबंदी, सीसीटीवी मॉनिटरिंग तथा पुलिस, प्रशासन, वन, परिवहन एवं खनिज विभाग के संयुक्त समन्वय से निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस पेंशनर संघ मंदसौर की मासिक बैठक संपन्न, नवीन सदस्यों को दिलाई गयी सदस्यता

(कालप्रिया संवाददाता)

मंदसौर। रविवार को मंदसौर स्थित एक निजी होटल में पुलिस पेंशनर संघ जिला इकाई मंदसौर की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस पेंशनर संघ मध्य प्रदेश के संस्थापक एवं प्रांतीय अध्यक्ष एमपी सिंह परिहार द्वारा की गई। बैठक में संगठन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई विगत दिनों मध्यप्रदेश सरकार व पुलिस मुख्यालय के द्वारा कार्यवाहक पदों पर पदोन्नति दी गई। इस संबंध में पुलिस विभाग में विभिन्न पदों पर कार्यरत कार्यवाहक अधिकारी कर्मचारी जो सेवानिवृत हो चुके हैं उनको भी कार्यवाहक पदों पर ही पदोन्नतिमानी जाकर वित्तीय लाभ देने हेतु पात्र अधिकारी कर्मचारियों से आवेदन पत्र मांगे गए। इस अवसर पर संगठन के विस्तार के बारे में भी चर्चा की गई। संगठन में नए सदस्य के रूप में ओमप्रकाश रामावत के द्वारा प्रांतीय सदस्यता ली गई जिनका संगठन सदस्यों ने दुपट्टा और माला पहनकर स्वागत किया। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारी गणों व सदस्यों का पुष्पहारों से स्वागत किया गया। बैठक में जिला मंदसौर के जिला अध्यक्ष शंभू सिंह चुंडावत, प्रांतीय सचिव राम रतन दुबे, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष बृजेश कुमार दुबे, संरक्षक चंद्रशेखर बैरागी, कोषाध्यक्ष नाहर सिंह सिसोदिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहीम बेग, उपाध्यक्ष सुश्री पुष्पा राठौड़, महिला सदस्य श्रीमती मनोरमा मिश्रा, अवधेश मिश्रा वरिष्ठ सदस्य, शारदानंद पांडे वरिष्ठ सदस्य दशरथ सिंह चौहान, नीमच मंदसौर संगठन मंत्री राधे श्याम परमार, हरेंद्र सिंह सेंगर, आरसी मालवीय, सुदामा प्रसाद ओझा, कन्हैयालाल, भारत सिंह सिसोदिया, रतन सिंह सिसोदिया, इकबाल बेग, भोपाल सिंह उपस्थित रहे। बैठक के अंत में विगत दिनों मंदसौर पुलिस पेंशनर्स परिवार के जो सदस्य दिवंगत हुए हैं उनको मंत्रोच्चार के साथ 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अंत में बृजेश दुबे कार्यवाहक जिला अध्यक्ष के द्वारा आभार माना गया और सभी के द्वारा स्वादिष्ट सह भोज किया गया।

सकल ब्राह्मण महासमिति ने ओमप्रकाश दुबे, अशोक दीक्षित को दी श्रद्धांजलि

ग्वालियर नगर संवाददाता

राष्ट्रपति पदक से सम्मानित ओमप्रकाश दुबे एवं परशुरामेश्वर मंदिर के पुजारी अशोक दीक्षित को उनके आकस्मिक निधन पर उनके निवास पर जाकर सकल ब्राह्मण महासमिति के द्वारा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में मध्य प्रदेश सनाढ्य सभा के अध्यक्ष किशन मुदगल, देवेन्द्र दुबे, राकेश नायक, बद्री प्रसाद शुक्ला,सर्व ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष राजेश नायक, सर्व ब्राह्मण महासंघ के रवि आनंद गौड, सकल ब्राह्मण महासमिति के संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज, महेश मिश्रा, देवेन्द्र कुमार पाठक, गिरिराज गुरुजी, ब्रह्मदत्त पाण्डेय शास्त्री, योगेंद्र दीक्षित, एचबी शर्मा, अशोक कुमार शर्मा, पुरूषोत्तम भार्गव, केके समाधिया आदि उपस्थित थे।

स्वस्थ खेती, स्वस्थ जीवन और मूल्य संवर्धन के प्रेरक उदाहरण बने बृजेन्द्र रावत

ग्वालियर नगर संवाददाता

वर्तमान दौर में जब कृषि में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग से मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा प्रतिकूल प्रभाव बड़ी समस्या बन गया है। ऐसे समय में ग्वालियर जिले के ग्राम देवरा के प्रगतिशील किसान विजेंद्र रावत जैविक एवं प्राकृतिक खेती की मिसाल बनकर उभरे हैं। उन्होंने अपनी खेती को पूरी तरह रसायन मुक्त बना दिया है। जैविक प्रमाणन, मूल्य संवर्धन और बेहतर विपणन को अपनाकर बृजेन्द्र रावत ने यह साबित कर दिया कि जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने का भी प्रभावी माध्यम है। आज वे अनेक किसानों को टिकाऊ, लाभकारी और स्वस्थ कृषि प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

वर्ष 2002 से खेती कर रहे विजेंद्र रावत प्रारंभिक वर्षों में पारंपरिक रासायनिक खेती करते थे। वर्ष 2016 में हृदय संबंधी गंभीर बीमारी के उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें रासायनिक कृषि में प्रयुक्त हानिकारक रसायनों से दूर रहने की सलाह दी। इस सलाह ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। उन्होंने अपनी लगभग 20 बीघा कृषि भूमि पर रासायनिक खेती त्यागकर पूरी तरह जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का निर्णय लिया और पीछे मुड़कर नहीं देखा।

कृषक बृजेन्द्र रावत की सफलता केवल जैविक उत्पादन तक सीमित नहीं है। उन्होंने खेती में मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) को भी अपनाया। वे गेहूँ को सीधे बेचने के बजाय उसका आटा और दलिया तैयार कर उपभोक्ताओं तक पहुँचाते हैं। इससे उनके उत्पादों का मूल्य बढ़ा और उन्हें सामान्य बाजार की तुलना में अधिक लाभ मिलने लगा। कृषि विभाग ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया।

नशे से दूरी है जरूरी पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

ग्वालियर नगर संवाददाता

महारानी लक्ष्मी बाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हरीश अग्रवाल ने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया और किताबों से जुडऩे के लिए प्रोत्साहित किया. प्राशासनिक अधिकारी प्रो. रियाज़ अली ने बताया कि नशा केवल एक व्यक्ति की बुरी आदत नहीं है, बल्कि यह परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। प्रो.कुसुम भदोरिया ने इस अवसर पर कहा कि नशा एक गंभीर बीमारी है जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन को नष्ट कर देती है। कार्यक्रम संयोजक प्रो. दीपक शर्मा ने इसके कारण और प्रभाव पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि तनाव गलत संगत अनुवांशिकता और मानसिक तनाव इसके प्रमुख कारण है इसके निवारण हेतु युवाओं को सही मार्गदर्शन चिकित्सा और मजबूत पारिवारिक समर्थन की आवश्यकता है।नशा करने वाले युवाओं की धडक़न अनियमित रहती है रक्तचाप बड़ा रहता है सीने में दर्द सांस फूलना और लगातार खांसी बनी रहती है. युवा बात बात पर हिंसक हो जाते हैं.

डॉ कपिल कौरव ने बताया कि नशा किसी भी रूप में हो– शराब, तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, भांग, गांजा या अन्य मादक पदार्थ–यह हमारे शरीर, मन और जीवन पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डालता है। शुरुआत में यह केवल एक शौक या फैशन लगता है, लेकिन धीरे-धीरे यह लत बन जाता है और व्यक्ति इसके बिना नहीं रह पाता।

गायत्री जागृति केंद्र पर रामचरित्र मानस पाठ की पूर्णाहुति गायत्री महायज्ञ से संपन्न

ग्वालियर नगर संवाददाता

गायत्री जागृति केंद्र सुभाष नगर हजीरा पर नर्मदेश्वर महादेव की स्थापना दिवस पर रामचरितमानस पाठ की पूर्णाहुति गायत्री यज्ञ के साथ संपन्न हुई मंदिर के साधक सुंदर सिंह तोमर राजू भदोरिया एवं अन्य भक्तों की सहयोग से कन्या भोज एवं प्रसाद वितरण किया गया। यज्ञ का संचालन भक्त दर्शन बरोलिया द्वारा रामचरितमानस मंत्र ,गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र की आहुतियां देकर किया गया। इस अवसर पर पूर्व एसडीएम सूर्यकांत त्रिपाठी सपत्नीक अपने परिजनों सहित उपस्थित थे इनके अतिरिक्त गायत्री परिजन ईश्वर प्रसाद भोले, जय नारायण सूर्यवंशी, सुमित्रा तोमर, शशि नरवरिया, सभी देव कन्याएं सहित 50 परिजन उपस्थित थे।

इस्कॉन ग्वालियर द्वारा श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकली

ग्वालियर नगर संवाददाता

इस्कॉन ग्वालियर के प्रतिनिधि मानस चंद्र दास ने जानकारी देते हुए बताया कि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) ग्वालियर द्वारा शनिवार, 18 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की भव्य रथयात्रा का आयोजन किया गया।

रथयात्रा का शुभारंभ दोपहर 3 बजे जिवाजी क्लब से होगा। प्रारंभ में दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक हरिनाम संकीर्तन, प्रवचन एवं भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गये। इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। वे भगवान श्री जगन्नाथ की पूजा-अर्चना एवं पारंपरिक स्वर्ण झाड़ू (छेरा पहंरा) सेवा करेंगे। तत्पश्चात उत्तर भारत के जोनल सुपरवाइज़र महामन प्रभु के आशीर्वाद से भव्य रथयात्रा का शुभारंभ होगा।

रथयात्रा जिवाजी क्लब से प्रारंभ होकर अश्लेष्वर, नया बाजार, दाल बाजार, लोहिया बाजार, पाटनकर बाजार, ओटफूल, दौलतगंज, बड़ा, सराफा, नई सडक़, छत्री मंडी होते हुए गोयल वाटिका में सम्पन्न होगी। इस अवसर पर भगवान चैतन्य महाप्रभु एवं पंचतत्त्व की भव्य पालकी यात्रा भी निकाली जाएगी। संपूर्ण यात्रा के दौरान हरिनाम संकीर्तन, नृत्य एवं भक्तिमय वातावरण से पूरा शहर गुंजायमान रहेगा।

रथयात्रा की विशेष आकर्षणों में लगभग छह भव्य कीर्तन मंडलियां शामिल रहेंगी। इनमें विदेशी रशियन कीर्तन बैंड, वृंदावन के 24 घंटे हरिनाम संकीर्तन करने वाले भक्त, दिल्ली के प्रसिद्ध माधवास रॉक बैंड के सदस्य, इस्कॉन ग्वालियर की कीर्तन मंडली सहित अन्य संकीर्तन दल भाग लेंगे। यात्रा के दौरान भव्य लाइव कीर्तन प्रस्तुत किए जाएंगे। इस्कॉन गर्ल्स फोरम की युवतियाँ एक समान पारंपरिक वेशभूषा में भक्तिमय नृत्य प्रस्तुत करेंगी। वहीं इस्कॉन यूथ फोरम के युवा विद्यार्थियों की अलग कीर्तन एवं नृत्य मंडली रहेगी। इस्कॉन ग्वालियर के लगभग 2,000 से अधिक भक्त विभिन्न सेवाओं में सहभागिता करेंगे। यात्रा मार्ग में 20,000 महाप्रसाद पैकेटों का वितरण किया जाएगा। यात्रा के समापन स्थल गोयल वाटिका में 10,000 से अधिक श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर विजय घर, रामू भैया (देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर) भी अपने परिवार सहित रथयात्रा में सहभागिता करेंगे।

गुरू पूर्णिमा पर्व पर सांदीपनि विद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह संपन्न

क्षेत्रीय विधायक ने किया सेवानिवृत एवं वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान

देवरीकलाँ। मध्यप्रदेश शासन मध्य प्रदेश में स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा अंतर्गत शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्रीय विधायक बृजबिहारी पटैरिया द्वारा विकासखंड के वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिसर में एक गुरू एक वृक्ष अभियान अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया साथ ही स्कूली बच्चों को मध्यप्रदेश शासन की योजना अंतर्गत निःशुल्क साईकिल प्रदान की गई।

विद्यार्थियों में गुरु के प्रति सम्मान, नैतिक मूल्यों, अनुशासन और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति आस्था विकसित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा 15 से 29 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। इस पखवाड़े अंतर्गत विद्यालयों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। स्थानीय शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पखवाड़ा अंतर्गत शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विकासखंड के सेवानिवृत एवं वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ, अतिथि सत्कार के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक बृजबिहारी पटैरिया ने कहा कि पीएमश्री एवं संदीपनि विद्यालय के माध्यम से भारतीय संस्कृति के अनुरूप प्रतिस्पर्धी शिक्षा व्यवस्था आरंभ की गई है जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आयेंगे। उन्होने कहा कि अंग्रेजी उपनिवेश द्वारा लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति को लागू कर भारतीय संस्कृति के अनुरूप सदियों से चली आ रही शिक्षा व्यवस्था को बिगाड़ने का कार्य किया गया ताकि भारत में अंग्रेजी शासन बना रहे ।

सहजपुरी खुर्द में 20.82 लाख के नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण, रहली क्षेत्र को 11 करोड़ के पुल की बड़ी सौगात

पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने किया उद्घाटन

रहली। क्षेत्र के विकास को एक नई गति देते हुए ग्राम पंचायत सहजपुरी खुर्द में ?20.82 लाख की लागत से नवनिर्मित शानदार पंचायत भवन का भव्य लोकार्पण संपन्न हुआ। मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के अंतर्गत बने इस आधुनिक भवन का उद्घाटन मुख्य अतिथि, रहली विधानसभा के विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए गोपाल भार्गव ने कहा, जब सहजपुरी में नई पंचायत बनी थी, तभी मैंने इसके लिए एक भव्य पंचायत भवन स्वीकृत कराया था, जो आज बेहद खूबसूरत और शानदार रूप में बनकर तैयार हो चुका है। जब भी कोई अच्छा और जनहित का कार्य होता है, तो उसकी प्रशंसा स्वाभाविक है। कार्यक्रम के दौरान विधायक गोपाल भार्गव ने क्षेत्रवासियों को एक और बड़ी सौगात की घोषणा की। उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि दौड़ा और सहजपुरी, दोनों ही गांव के लोग लंबे समय से बड़ी परेशानी का सामना कर रहे थे।

एडवोकेट राजेश कुमार कुर्मी को डिवीजन लीगल प्रेसिडेंट

सागर। मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रविंद्र सिंह तोमर के निर्देश एवं मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष कमलेश राय की अनुशंसा पर संगठन का विस्तार करते हुए श्री एडवोकेट राजेश कुमार कुर्मी को सागर संभाग का डिवीजन लीगल प्रेसिडेंट (Division Legal President) नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति 18 जुलाई 2026 को आधिकारिक पत्र जारी कर की गई है। आयोग द्वारा उन्हें सदस्यता क्रमांक H.R.S.J.C./M.P./26/54 आवंटित किया गया है। श्री कुर्मी का यह कार्यकाल जुलाई 2027 तक रहेगा। नवनियुक्त डिवीजन लीगल प्रेसिडेंट एडवोकेट राजेश कुमार कुर्मी अपनी इस नई जिम्मेदारी के तहत भारतीय संविधान के अंतर्गत नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अलख जगाने का कार्य करेंगे। इसके साथ ही, वे मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों में पीड़ितों को न्याय दिलाने और उन्हें हरसंभव कानूनी व सामाजिक सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे।

श्रीमद्भागवत कथा की शुरुआत की पूर्व संध्या पर कबूला पुल से निकली भव्य शोभायात्रा

पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी कांग्रेसजनों के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए

सागर। श्री राधे कृष्ण सत्संग परिवार, सागर द्वारा ग्राम पटकुई में 19 जुलाई से 25 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ की पूर्व संध्या पर शनिवार को सदर स्थित कबूला पुल से कथा स्थल ग्राम पटकुई तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं एवं युवाओं ने शामिल हुये ।पूरे मार्ग में भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री सुरेन्द्र चौधरी कांग्रेसजनों के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए ।उन्होंने कथा व्यास परमहंस 1008 परिव्राजकाचार्य श्री आत्मानंद सरस्वती जी महाराज एवं पूज्य मोनी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की ।शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं एवं कांग्रेसजनों ने भगवान के जयघोष के साथ उत्साहपूर्वक नगर भ्रमण किया।

'नशे से दूरी है जरूरी 2.0 स्कूलों से लेकर चिन्हित हॉटस्पॉट तक पहुंची जागरूकता की अलख

सागर। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश के निर्देशन में संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत दिवस-4 (18 जुलाई 2026) को जिला पुलिस सागर द्वारा पूरे जिले में व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया के मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जयवीर सिंह भदौरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर श्री नरेंद्र सोलंकी के निर्देशन में जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों एवं चिन्हित हॉटस्पॉट्स पर विशेष अभियान चलाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद स्थापित करते हुए नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी तथा युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का आह्वान किया। इस दौरान हजारों विद्यार्थियों, नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों को नशामुक्ति की सामूहिक शपथ भी दिलाई गई।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बड़तूमा मे पौधा रोपण किया गया

सागर। जिला कांग्रेस कमेटी सागर ग्रामीण के तत्वाधान मे मकरोनीया ब्लॉक अंतर्गत वार्ड नंबर 18 सबरी वार्ड बड़तूमा एवं महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव पार्षद सीमा कमल चौधरी के नेतृत्व मे बड़तूमा शमशान घाट मे पौधारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। पौधरोपण मे सागर ग्रामीण कांग्रेस संगठन महासचिव आशीष ज्योतिषी, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष संदीप चौधरी, जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष जतिन चौकसे, ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र कुर्मी,सबरी वार्ड नंबर 18 बड़तूमा अध्यक्ष कमल चौधरी, सेवादल यंग ब्रिगेड जिला अध्यक्ष संजय रोहिदास, पूर्व पार्षद राजू डिस्क, इंद्रभूषण तिवारी, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के ग्रामीण जिला अध्यक्ष पं. जय पाराशर, आउट सोर्स कर्मचारी संगठन के संभागीय अध्यक्ष विजय पाराशर,अजय अहिरवार,शंकर दाऊ,रज्जू अहिरवार, फ़ारूक़ खान आदि ने नीम, शीशम आंवला, जामुन के पौधे रोपे।

बुजुर्गों की सेवा ही सबसे बड़ा संस्कार, उनका आशीर्वाद ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है : मंत्री राजपूत

सागर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपनी कैलाशवासी पूज्य माताजी श्रीमती ज्ञान बाई जी की पुण्यतिथि के अवसर पर सेवा, संवेदना और संस्कार का प्रेरणादायी संदेश देते हुए सपरिवार वृद्धाश्रम पहुंचकर वहां निवासरत बुजुर्गों के साथ आत्मीयता से समय बिताया। उन्होंने सभी बुजुर्ग माताओं एवं पितृतुल्य वरिष्ठजनों को भोजन कराया एवं उनके साथ बैठकर भोजन किया, उनकी कुशलक्षेम जाना तथा वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। मंत्री श्री राजपूत ने वृद्धाश्रम के प्रत्येक कक्ष में जाकर बुजुर्गों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की, उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली और आश्रम में उपलब्ध सुविधाओं का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। उन्होंने सभी बुजुर्गों को स्नेहपूर्वक वस्त्र भेंट किए तथा उनके स्वस्थ, सुखद और सम्मानजनक जीवन की कामना की।

1.20 लाख पौधे लगा कर खुरई विधानसभा क्षेत्र ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा "एक पेड़ माँ के नाम" खुरई में जनअभियान बना

खुरई। पूर्व गृहमंत्री एवं विधायक भूपेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में खुरई विधानसभा क्षेत्र में आयोजित ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत 1.20 लाख वृक्षों का पौधारोपण कार्यक्रम अपने लक्ष्य की प्राप्ति के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। खुरई नगर पालिका के साथ मालथौन, बांदरी, बरोदिया कलां नगर परिषद क्षेत्रों तथा खुरई व मालथौन जनपद पंचायतों की सभी ग्राम पंचायतों के साथ सभी शैक्षणिक संस्थाओं और सरकारी विभागों में पूरे उत्साह और पूरी तैयारी के साथ वृहद वृक्षारोपण करते हुए खुरई विधानसभा क्षेत्र में एक ही दिन में एक लाख से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प पूरा कर गत वर्ष के कीर्तिमान से आगे बढ़ते हुए वृक्षारोपण का नया रिकार्ड बनाया

गया। कार्यक्रम के दौरान दौरान हजारों की संख्या में उपस्थित स्कूली छात्र छात्राओं से वृक्षारोपण और पर्यावरण के महत्व पर एक शिक्षक की भांति संवाद किया जिसमें प्रश्नोत्तरी के सशक्त माध्यम से उन्होंने विद्यार्थियों को संरक्षण के लिए संकल्पित किया। उन्होंने कहा कि खुरई विधानसभा क्षेत्र में एक ही दिन में 1 लाख 20 हजार पौधे लगाने का संकल्प केवल वृक्षारोपण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य, स्वच्छ पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण का महाअभियान है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रत्येक नागरिक को इस अभियान का सहभागी बनाया जा रहा है। उन्होंने सभी परिवारों, युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं तथा सामाजिक संगठनों से आग्रह किया कि वे अपनी माता के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसके संरक्षण का भी संकल्प लें।

11वीं जिला कुडो चैंपियनशिप 2026 का भव्य शुभारंभ

जिला कुडों में 250 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग

सागर। कुडो एसोसिएशन ऑफ सागर द्वारा कुडो एसोसिएशन ऑफ मध्य प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित 11वीं जिला कुडो चैंपियनशिप 2026 का भव्य शुभारंभ आज आर्मी पब्लिक स्कूल, सागर में हुआ। यह दो दिवसीय प्रतियोगिता 18 एवं 19 जुलाई 2026 को आयोजित की जा रही है, जिसमें सागर जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं क्षेत्रों से 250 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती अनुश्री शैलेन्द्र जैन, अध्यक्ष, वूमेन लीगल काउंसिल, रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्मी पब्लिक स्कूल, सागर की प्राचार्य श्रीमती ज्योति दुबे ने की।

मुख्य अतिथि श्रीमती अनुश्री शैलेन्द्र जैन ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज के समय में आत्मरक्षा प्रत्येक छात्र-छात्रा के लिए आवश्यक है तथा इसे विद्यालयों में अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से बालिकाओं के लिए निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि वूमेन लीगल काउंसिल, कुडो एसोसिएशन ऑफ मध्य प्रदेश के सहयोग से प्रदेशभर में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि कुडो आत्मरक्षा सीखने का एक अत्यंत प्रभावी एवं आधुनिक माध्यम है, जो शारीरिक क्षमता के साथ-साथ आत्मविश्वास और अनुशासन का भी विकास करता है। इस अवसर पर आर्मी पब्लिक स्कूल की प्राचार्य श्रीमती ज्योति दुबे ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विद्यालय सदैव खेलों को प्रोत्साहित करता रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आर्मी पब्लिक स्कूल कुडो खेल एवं खिलाड़ियों को जिला स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक हर संभव सहयोग प्रदान करेगा, ताकि युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें।

हजारों जन्मों के पुण्य से मिलता है शिवलिंग निर्माण का अवसर : संत केशव गिरी महाराज

सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने नागरिकों से पुण्य लाभ लेने का किया आह्वान

सागर। शास्त्रों में कहा गया है कि अनेक जन्मों के पुण्य उदय होने पर मनुष्य जन्म मिलता है। सैकड़ों जन्मों के पुण्य के बाद भारतभूमि में जन्म का सौभाग्य प्राप्त होता है और हजारों वर्षों के पुण्य उदय के बाद भगवान शिव की पूजा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण का अवसर मिलता है। ब्रह्मांड में जितने तारे हैं, उतने जन्मों के पुण्य का फल शिवलिंग निर्माण से प्राप्त होता है। भगवान शिव की आराधना करने वाला कभी निराश नहीं होता, उसका जीवन कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होता है। यह उद्गार ग्रस्थ संत केशव गिरी महाराज ने उपनगरीय क्षेत्र मकरोनिया स्थित वैदिक वाटिका में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बैठक में आगामी 21 से 26 अगस्त तक आयोजित होने वाले पंचम रुद्र महायज्ञ एवं असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण महोत्सव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

संत केशव गिरी महाराज ने कहा कि भगवान शिव की कृपा के बिना कोई भी शुभ कार्य संभव नहीं होता। जब परमात्मा की कृपा होती है, तभी व्यक्ति को धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है, लेकिन भगवान शिव तो पत्थर को भी पारस बना देते हैं। जिसने भी सच्चे मन से शिव की आराधना की, उसका जीवन सफल हुआ और उसका कल्याण हुआ। उन्होंने भगवान श्रीराम का उदाहरण देते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने भी लंका विजय से पूर्व शिवलिंग की स्थापना कर भगवान शिव की आराधना की।

मढ़ना गांव निवासी 22 वर्षीय छात्रा ने कुंए में कूदकर आत्महत्या कर ली

खुरई। खिमलासा थाना क्षेत्र के मढ़ना गांव निवासी एक 22 वर्षीय छात्रा रोशनी दांगी ने अपने ही परिवार के खेत के कुंये में कूदकर आत्महत्या कर ली। दरअसल मृतिका शुक्रवार सुबह से घर से लापता थी,जिसके कारण परिजन आसपास तलाश कर रहे थे। उसी समय परिवार के एक सदस्य शाम को अपने खेत पर काम कर रहे थे तब उन्होंने उसका शव कुंये में देखा। सूचना मिलते ही खिमलासा थाना पुलिस ने युवती का शव खुरई सिविल अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया। शनिवार दोपहर शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों के हवाले कर दिया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा ने बीए कंपलीट कर लिया था एमए की पढ़ाई कर रही थी। लेकिन अपनी दूसरी सहेलियों की तरह पढ़ाई कर कुछ न कर पाने के कारण डिप्रेशन में रहती थी।

ईपीएस-95 कर्मचारियों की मांगे शासन और संसद स्तर पर पुरजोर तरीके से उठाई जाएगी : डॉ लता वानखेड़े

सागर। कर्मचारियों को न्यूनतम 7500 मासिक पेंशन देने महंगाई भत्ता प्रदान करने और पति पत्नी को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने सहित ईपीएस-95 की राष्ट्रीय का संघर्ष समिति ने जो ज्ञापन दिया है उसे शासन और संसद स्तर पर निराकृत करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे यह आश्वासन सागर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉक्टर लता वानखेड़े ने ईपीएस95 की राष्ट्रीय संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष पंडित विनय चौबे की नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन के अवसर पर दिया उल्लेखनीय है की मध्य प्रदेश के किसी सांसद ने अभी तक संसद में उनकी मांग नहीं रही थी है जबकि देश भर के कई सांसदों ने उनकी मांगे प्रमुखता से न केवल उठाई बल्कि शासन प्रशासन स्तर पर प्रयास भी किए हैं।

उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं पर अनुदान, किसान जल्द कराएं पंजीयन

सागर। उद्यानिकी विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के अंतर्गत किसानों को बागवानी, सब्जी, पुष्प, मसाला, संरक्षित खेती, जैविक खेती, कृषि यंत्रीकरण एवं फसलोत्तर प्रबंधन से संबंधित विभिन्न घटकों पर 40 से 50 प्रतिशत तक का अनुदान प्रदान किया जा रहा है। विभाग ने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराने की अपील की है ताकि वे शासन की इन लाभकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें ।योजना के अंतर्गत आम, अमरूद, लीची, अनार एवं नींबू वर्गीय फलों के नए बगीचों की स्थापना पर सामान्य दूरी के लिए प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपये तथा उच्च घनत्व बगीचों के लिए 80 हजार रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। वहीं हाईब्रिड सब्जियों की खेती पर प्रति हेक्टेयर 24 हजार रुपये तथा खुली परागण वाली प्याज एवं अन्य सब्जियों पर 20 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर का अनुदान मिलेगा ।पुष्प क्षेत्र विस्तार के तहत कट फ्लावर पर 50 हजार रुपये, बल्बस एवं राइजोमैटिक पुष्पों पर एक लाख रुपये तथा खुले पुष्पों की खेती पर 20 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर का अनुदान निर्धारित किया गया है। बीजीय मसालों की खेती पर भी 20 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की सहायता उपलब्ध रहेगी।

अल्ट्रा लो-कॉस्ट शेडनेट हाउस से बदल रही खेती की तस्वीर, कम लागत में किसानों को मिल रहा अधिक उत्पादन

सागर। उद्यानिकी विभाग की पहल से सागर जिले में संरक्षित खेती को नई दिशा मिल रही है। विभाग द्वारा संचालित अल्ट्रा लो-कॉस्ट शेडनेट हाउस योजना किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। कम लागत में तैयार होने वाली इस संरचना के माध्यम से किसान अब मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से फसलों की सुरक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं अधिक उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं।अल्ट्रा लो-कॉस्ट शेडनेट हाउस लगभग 240 वर्गमीटर क्षेत्र में जीआई पाइप की मजबूत संरचना पर 50 अथवा 75 प्रतिशत शेडनेट लगाकर तैयार किया जाता है। यह तकनीक फसलों को तेज धूप, कीटों, तेज हवा एवं हल्की ओलावृष्टि से सुरक्षा प्रदान करती है। परिणामस्वरूप फसलों की गुणवत्ता बेहतर होती है और उत्पादन में भी वृद्धि दर्ज की जाती है। इस संरचना में शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा, मिर्च, धनिया, पालक, विभिन्न प्रकार के फूल तथा पौधशाला का सफलतापूर्वक उत्पादन किया जा रहा है। इससे किसानों को वर्षभर बेहतर गुणवत्ता की फसल लेने और अधिक आय अर्जित करने का अवसर मिल रहा है।सागर जिले में इस योजना की प्रति इकाई लागत 1.35 लाख रुपये निर्धारित की गई है। वर्ष 2026-27 में योजना के अंतर्गत सागर विकासखंड में 60 इकाइयों का लक्ष्य रखा गया था। योजना के प्रति किसानों के बढ़ते विश्वास का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सागर विकासखंड में 62 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जो निर्धारित लक्ष्य से अधिक हैं।उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, अल्ट्रा लो-कॉस्ट शेडनेट हाउस तकनीक किसानों के लिए संरक्षित खेती का सुलभ और किफायती विकल्प बनकर उभरी है। यह योजना न केवल उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक है, बल्कि किसानों की आय में वृद्धि कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

संपादकीय

फिर एक कारसेवा

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद 9 अगस्त को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के पक्ष में कारसेवा करेगी। अखाड़ा परिषद 50 लाख से अधिक साधु-संतों की प्रतिनिधि धार्मिक संस्था है। परिषद में मुख्यत: 13 अखाड़े हैं, वे सभी सनातन के पैरोकार और आस्थावान हैं, लिहाजा अब उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर आंदोलन की तर्ज पर श्रीकृष्ण मंदिर के लिए कारसेवा की घोषणा की है। जिस तरह अयोध्या में विवादित ढांचे का गुंबद ध्वस्त किया गया था, उस तरह श्रीकृष्ण मंदिर कारसेवा का मकसद नहीं है। साधु-संत और श्रद्धालु राजधानी दिल्ली से पैदल कूच कर मथुरा तक पहुंचेंगे और श्रीकृष्ण मंदिर परिसर के बाहर ही भजन-कीर्तन, चालीसा पाठ, पूजा-पाठ करेंगे। प्रभु श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री का भोग लगाया जाएगा। हालांकि अभी किसी भी तरह की तोड़-फोड़ की कारसेवा का आह्वान नहीं किया गया है, लेकिन किसी पक्ष की धार्मिक भावनाएं उत्तेजित हो गईं या उन्माद का माहौल बन गया, तो उसे नियंत्रित करना कठिन होगा। भावनाएं तो स्वस्फूर्त भड़कती हैं, लिहाजा पुलिस कहां तक की अनुमति देगी अथवा कारसेवा स्थगित करने का आग्रह करेगी, अभी निश्चित नहीं है। वैसे उप्र में एक धार्मिक योगी की सरकार है और वह भी श्रीकृष्ण आंदोलन के पक्षधर हैं, लिहाजा लगता है कि कारसेवा में व्यवधान पैदा नहीं किया जाएगा। बहरहाल कारसेवा तब आयोजित की जा रही है, जब सर्वोच्च अदालत विशेष लोक अदालत के जरिए काशी विश्वनाथ बनाम ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर बनाम ईदगाह मस्जिद और संभल के हरि मंदिर बनाम जामा मस्जिद सरीखे बेहद संवेदनशील विवादों को, हिंदू-मुस्लिम पक्ष की आपसी सहमति से, सुलझाने और निपटाने का प्रयास कर रही है। बीती 4 जुलाई को ऐसा ही न्यायिक प्रयास नाकाम हो चुका है, जब वाराणसी के विवाद के संदर्भ में मुस्लिम पक्ष आया ही नहीं। वैसे दोनों पक्ष सर्वोच्च अदालत के ही अंतिम निर्णय के पक्ष में हैं, ताकि न्यायिक निष्कर्ष पर कानूनी सवाल न उठाए जा सकें। राम मंदिर का फैसला भी सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ ने सुनाया था। आज भी ऐसे सांप्रदायिक, धार्मिक विवादों की 18 याचिकाएं अदालतों के विचाराधीन हैं। सर्वोच्च अदालत ने 7 याचिकाएं ही लोक अदालत को भेजी थीं। बहरहाल मथुरा के श्रीकृष्ण मंदिर की कारसेवा का फैसला तब भी लिया गया है, जब कुछ महीनों बाद उप्र में विधानसभा चुनाव होने हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा संघ, विहिप और भाजपा के एजेंडे की प्राथमिकताएं रही हैं, लेकिन अखाड़ा परिषद की घोषित कारसेवा पर फिलहाल तीनों ही खामोश हैं। कारसेवा का न समर्थन और न ही विरोध..! मथुरा, वृंदावन प्रभु श्रीकृष्ण की जन्मस्थली और बाल-लीलाओं का क्षेत्र है। इसका उल्लेख पुराणों, उपनिषदों और प्राचीन धर्म-ग्रंथों में देखा और पढ़ा जा सकता है। श्रीकृष्ण मंदिर को 5000 साल प्राचीन बताया जाता है। अलबत्ता अधिसंख्य इतिहासकारों ने वृंदावन, मथुरा को श्रीकृष्ण की जन्मस्थली माना है। श्रीकृष्ण मंदिर का इतिहास भी निर्माण, विध्वंस, पुनर्निर्माण, कब्जे के बाद मस्जिद-निर्माण आदि का रहा है। लोग यह चाहते हैं कि सर्वोच्च अदालत 1991 के उपासना स्थल कानून पर अपना अंतिम फैसला यथाशीघ्र सुनाए, ताकि स्पष्ट हो सके कि कानून के दायरे में कौन से मंदिर, मठ, स्थापत्य और मस्जिदें हैं। ऐसी बहसें और दावे बंजर ही साबित होते हैं, क्योंकि उनकी बुनियाद में धार्मिक पूर्वाग्रह होते हैं। एक तरफ राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी का प्रकरण जारी है, जांचें जारी हैं, ट्रस्ट में बदलाव किए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ श्रीकृष्ण मंदिर कारसेवा का आह्वान किया गया है, लिहाजा इसे राजनीति और चुनाव से जोड़ कर भी देखा जा रहा है।

चीनी मठ-मंदिरों पर भी हेराफेरी की कालिख

ब्रूस ली की फ़िल्म 'एंटर द ड्रैगन' में शाओलिन मंदिर के शुरुआती दृश्यों की शूटिंग चीन में नहीं, बल्कि हांगकांग के थुएन मुन स्थित चिंग चुंग कून और कैसल पीक मठ में हुई थी। लेकिन, तब शाओलिन टैम्पल का अक्स दिलो-दिमाग में बैठा हुआ था। उसे देखना एक सपना था, जो 2019 में पेइचिंग कुछ हफ्ते ठहरने पर साकार हुआ। पेइचिंग से शाओलिन मंदिर की दूरी लगभग 773 किलोमीटर है। झेंगझोऊ तक बुलेट ट्रेन, फिर मंदिर तक जाने के लिए टैक्सी की ज़रूरत पड़ गई। इस जगह को 'मार्शल आर्ट का मक्का' मानिये। शाओलिन मंदिर चीन के हेनान प्रांत स्थित प्रसिद्ध बौद्ध मठ है। इसे 495 ईस्वी में बनाया गया था। यह ज़ेन बौद्ध धर्म का जन्मस्थान और मार्शल आर्ट (कुंग फू) का उद्गम स्थल है। सात साल पहले शाओलिन टैम्पल की दरो-दीवार को देखकर लगा नहीं था, कि यह भ्रष्टाचार का भी अड्डा रहा है। डेढ़ महीना पहले दुनियाभर में मशहूर शाओलिन मंदिर के पूर्व प्रमुख शी योंगशिन को गबन और रिश्वत लेने जैसे अपराधों के लिए 24 साल जेल की सज़ा सुनाई गई है। शी पर 35 लाख युआन का जुर्माना भी लगाया गया। चीन के मध्य हेनान प्रांत की शिनक्सियांग इंटरमीडिएट पीपल्स कोर्ट ने पाया कि शी (जिनका असली नाम लियू यिंगचेंग है) ने 2003 और 2025 के बीच 131 मिलियन युआन से ज़्यादा का गबन किया था। कई दशकों तक, शी ने शाओलिन मंदिर के प्रमुख और शाओलिन चैरिटी एंड वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष के तौर पर काम किया। जांच में पाया गया कि उन्होंने 2012 और 2022 के बीच 151 मिलियन युआन अपने निजी इस्तेमाल के लिए लिए थे, और 2006 से मंदिर के निर्माण और उससे जुड़े कामकाज के कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद करने के बदले कुल 11.63 मिलियन युआन की रिश्वत ली थी। कोर्ट की घोषणा के अनुसार, शी पर 1995 और 2022 के बीच 'गलत फ़ायदे' पाने के लिए अधिकारियों को 5.67 मिलियन युआन से ज़्यादा की रिश्वत देने का भी आरोप है। चीन के मशहूर बौद्ध मठ शाओलिन मंदिर के प्रमुख के खिलाफ आपराधिक जांच में कहा गया है कि उनके कामों में गबन, फ़ंड का गलत इस्तेमाल, रिश्वत लेना और देना जैसे संगीन अपराध शामिल थे, और इन सभी में 'बहुत बड़ी रकम' शामिल थी। शी पर आरोप था कि उन्होंने 'कई महिलाओं के साथ लंबे समय तक गलत संबंध बनाए, और नाजायज़ बच्चों के पिता बने।' पिछले साल जुलाई में सरकार की संयुक्त जांच के बाद उन्हें वाइस-चेयरपर्सन पद से हटा दिया गया था। उसी महीने, चीन के बौद्ध संघ ने शी योंगशिन की बौद्ध मान्यता रद्द कर दी, और उन पर 'बौद्ध समुदाय की प्रतिष्ठा और भिक्षुओं की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने' का आरोप लगाया। उनसे जुड़ी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया गया। जांच के बाद, स्थानीय अधिकारियों ने नवंबर, 2025 में कई आपराधिक आरोपों में उनकी गिरफ़्तारी को मंज़ूरी देने की घोषणा की। शी ने अपना अपराध माना, और पछतावा व्यक्त किया। 29 मई, 2026 को कोर्ट ने यह भी जानकारी दी, कि शी ने कोई अपील नहीं की। चीन में 1960 और 1970 के दशक की सांस्कृतिक क्रांति में अनगिनत धार्मिक जगहें तबाह हो गईं। मठों से उनकी संपत्ति छीन ली गई थी। लेकिन, जैसे ही 1980 के दशक में चीन में आर्थिक सुधार और खुलेपन का दौर शुरू हुआ, मंदिर फिर से चलन में आ गए. कई लोग अपना गुज़ारा करने के लिए टैम्पल टूरिज़्म की तरफ़ मुड़ गए। हालांकि, चीनी सरकार धार्मिक मान्यताओं की आज़ादी का समर्थन करती है, और 1.3 अरब से ज़्यादा लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताएं चुनने का अधिकार है। खासकर आधुनिक चीनी समाज में राजनीतिक दमन खत्म होने के बाद, लंबे समय से दबी हुई धार्मिक मान्यताएं सामने आईं। 'वर्ल्ड वैल्यूज़ सर्वे-2007' से पता चलता है कि 11 प्रतिशत चीनी लोगों की धार्मिक मान्यताएं हैं। 2003 से 2010 के बीच इनकी आबादी 120 फीसद बढ़ी है। इस समय में जिन बड़े मठाधीशों को निजी रूप से फ़ायदा हुआ, उनमें शी सबसे बड़े थे। शी योंगशिन 1981 में 16 साल की उम्र में हेनान प्रांत के शाओलिन मंदिर में शामिल हुए थे। उस समय, मंदिर खंडहर बन चुका था। लेकिन, जैसे-जैसे शी मठाधीश के पद पर पहुंचे, उन्होंने प्रार्थना हॉल फिर से खोलने और टूरिस्ट को टिकट बेचने के लिए लोकल अधिकारियों से बातचीत की। जल्द ही, लाखों लोग आने लगे, जिसमें लोकल सरकार 70 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। तब शाओलिन-ब्रांडेड सामान बेचने वाली गिफ़्ट शॉप भी खुल गईं, और शाओलिन इंक का जन्म हुआ। वर्ष 2006 में, डेंगफ़ेंग शहर की सरकार ने शाओलिन मंदिर के लिए 100,000 डॉलर का निवेश किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने 2015 में बताया था शी को 'सीईओ भिक्षु' के तौर पर जाना जाता था; कुंग-फू शो और सामान को बढ़ावा देने के लिए कमर्शियल गतिविधियां शुरू करने की वजह से उनकी आलोचना भी हुई थी। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2002 में शी को बुद्धिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ चाइना का वाइस-चेयरपर्सन चुना गया था। गिरफ़्तार होने से पहले, शी योंगक्सिन ने विदेशों में दर्जनों कंपनियां बनाईं, और ऑस्ट्रेलिया में 300 मिलियन डॉलर के लक्ज़री होटल और गोल्फ़ कोर्स कॉम्प्लेक्स के लिए फ़ंड जुटाने की कोशिश की। चीन में लगभग 33,500 पंजीकृत बौद्ध और 9,000 ताओ मंदिर हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार कुल धार्मिक स्थलों की संख्या लगभग 144,000 है। इसके अलावा, अनौपचारिक या छोटे पारंपरिक पूजा स्थलों की संख्या 192,000 से भी अधिक है। चीन की अदालतें मंदिरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों के सटीक और सार्वजनिक आंकड़े जारी नहीं करती हैं।

पुष्परंजन

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं

स्वयं सहायता समूहों से सशक्त होंगे वरिष्ठ नागरिक

सुरेश सेठ

लेखक, साहित्यकार

देश में जनगणना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। वर्तमान में प्रथम चरण के अंतर्गत आवासीय जनगणना की जा रही है। दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार तथा बेघर व्यक्तियों की जनगणना होगी। इससे पहले नागरिकों को अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज करने का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद जनगणना अधिकारी घर-घर जाकर विवरण का सत्यापन और आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। जनगणना से प्राप्त आंकड़े देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सही आकलन करने में सहायक होते हैं। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर सरकार विभिन्न वर्गों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाएं और कल्याणकारी नीतियां अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करती है। जनगणना से जुड़ी शुरुआती चर्चाओं के बीच एक महत्वपूर्ण चिंता देश की बदलती जनसांख्यिकीय संरचना को लेकर सामने आ रही है। भारत की कुल प्रजनन दर अब प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे पहुंच चुकी है, जिससे भविष्य में युवाओं की हिस्सेदारी घटने और बुजुर्ग आबादी बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। महानगरों में विवाह की बढ़ती उम्र, कम संतान की प्रवृत्ति तथा बदलती जीवनशैली भी इस परिवर्तन के प्रमुख कारण माने जा रहे हैं। वहीं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और बढ़ती जीवन प्रत्याशा के कारण वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में जनगणना के आंकड़े देश की भावी सामाजिक, आर्थिक और जनसंख्या संबंधी नीतियों के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चीन और जापान जैसे देशों ने वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना किया है। वहां वरिष्ठ नागरिक अनुभव और कौशल के आधार पर आज भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारत लंबे समय तक स्वयं को युवाओं का देश मानता रहा, लेकिन घटती प्रजनन दर और बढ़ती जीवन प्रत्याशा भविष्य में बुजुर्ग आबादी के बढ़ने का संकेत दे रही है। ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों को केवल आश्रित नहीं, बल्कि उत्पादक संसाधन के रूप में देखने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से देश में अनेक बुजुर्गों को पर्याप्त सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं। परिवारों के विघटन और उपेक्षा की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकार और समाज दोनों को वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की होगी। इस दिशा में एक सकारात्मक पहल वर्ष 2004 में तमिलनाडु में सुनामी के बाद सामने आई। आर्थिक संकट के बावजूद अनेक वरिष्ठ नागरिकों ने हार मानने के बजाय स्वयं सहायता समूह बनाकर आत्मनिर्भर बनने का प्रयास शुरू किया। प्रारंभ में सरकारी स्तर पर पर्याप्त योजनाएं या प्रोत्साहन नहीं थे, फिर भी यह पहल लगातार आगे बढ़ती रही। आज यह अभियान तमिलनाडु से निकलकर कई राज्यों तक पहुंच चुका है। आज हजारों वरिष्ठ नागरिक स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस मॉडल को विस्तार देने की आवश्यकता है, ताकि वरिष्ठ नागरिक आत्मनिर्भर बनें, एक-दूसरे का सहयोग करें और अपने अनुभव से समाज व अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें। वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों ने आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल पेश की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इन समूहों से जुड़े लगभग 70 प्रतिशत बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त बने हैं। नियमित छोटी बचत के आधार पर उन्होंने करोड़ों रुपये का सामूहिक कोष तैयार किया, जिससे जरूरतमंद सदस्यों को ऋण उपलब्ध कराया गया और आय के नए अवसर भी विकसित हुए। बिहार के सुपौल जिले का यह मॉडल विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहां कई बुजुर्ग आर्थिक रूप से सशक्त होकर सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। इस पहल की सफलता को देखते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के स्वयं सहायता समूहों की अवधारणा को भी प्रोत्साहन देना शुरू किया है। यह मॉडल आत्मनिर्भर और सम्मानजनक वृद्धावस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वास्तविक समाधान तभी संभव है, जब प्रशासन, समाज और वरिष्ठ नागरिक मिलकर कार्य करें। बढ़ती उम्र के कारण भले ही बुजुर्ग शारीरिक रूप से पहले जैसे सक्रिय न रहें, लेकिन उनका अनुभव, ज्ञान और निर्णय क्षमता समाज की अमूल्य पूंजी है। उन्हें ऐसे कार्यों में अवसर दिए जाने चाहिए, जहां मार्गदर्शन, सलाह और अनुभव की आवश्यकता हो। युवा ऊर्जा और वरिष्ठों के अनुभव का समन्वय राष्ट्र निर्माण को नई दिशा दे सकता है। वरिष्ठ नागरिकों को केवल सहायता का पात्र नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाया जाना चाहिए। कुछ राज्यों में स्वयं सहायता समूहों की सफल पहल इसकी संभावना सिद्ध कर चुकी है। अब आवश्यकता है कि सरकार और समाज मिलकर इस मॉडल को व्यापक स्तर पर अपनाएं।

दतिया उपचुनाव : अतीत, आँसू और अंतर्घात

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

प्रचलित कहावत है कि झांसी गले की फांसी, दतिया गले का हार, मगर सामयिक चुनावी परिप्रेक्ष्य में बात करें तो दतिया भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिये यकसां गले की ऐसी फांस बनकर उभरा है, जिससे उनकी निजात मुश्किल है। मतदान यूं तो 30 जुलाई को है, अलबत्ता इस पूरे पखवाड़े दोनों ही खेमों में आशंकाएं खुदबुदाती रहेंगी। घटनाक्रम ऐसा रहा है कि दतिया में सब कुछ सामान्य नहीं है। लिहाजा यह चुनाव भी फकत एक उप-चुनाव न रहकर महत्वपूर्ण हो उठा है। इसके दिल्ली और भोपाल समेत सबके आकर्षण और दिलचस्पी की वजह है मध्यप्रदेश के पूर्व गृहमंत्री और पार्टी के महत्वाकांक्षी कद्दावर नेता नरोत्तम मिश्रा। नरोत्तम करीब डेढ़ दशक प्रदेश के मंत्री रहे और अपनी अनेक खूबियों के कारण सुर्खियों में भी। नरोत्तम ने बहुत जतन से दतिया में अपनी जगह बनाई और उसे अपनी जागीर में बदल दिया। उन्होंने नामा और नाम कमाया, कुर्सी पाई, शीर्ष नेतृत्व का विश्वास अर्जित किया। साथ ही दंभ और अहंकार के साथ-साथ बेजा अड़ी की फितरत भी अख्तियार की। अपनी बयानबाजी, साधनों की विपुलता और तेज रफ्तार से वह एक साथ विवादों और संभावनाओं के नायक बने। निर्वाचन से सत्तारूढ़ कमलनाथ सरकार को गिराने में उनकी पर्दे के पीछे अहम भूमिका रही। उन्होंने मप्र में कांग्रेस को कार्यकर्ताविहीन करने की दंभोक्ति भी की और सेंसरबोर्ड के स्वयंभू सदस्य तथा सामाजिक दरोगा बनकर उभरे। उन्होंने दतिया में पैर जमाये और दिल्ली को साधा। कह सकते हैं कि प्रदेश में दंत कथाओं के नायक बन गये। एक वक्त वह था कि वह मध्यप्रदेश के गृहमंत्री थे और उनके दामाद राजधानी भोपाल के कलेक्टर। विगत चुनाव तक उनकी सूबे की सियासत में तूती बोलती रही और उनका यही पक्ष कतिपय बड़े नेताओं को बरबस खटकने लगे। पार्श्व में समीकरण बने और केंद्रीय गृहमंत्री के प्रिय पात्र होने के बाबजूद पार्टी ने टिकट वितरण में नरोत्तम को धता बता दी। बताते हैं कि इसमें स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान समेत कतिपय दमदार नेताओं, सर्वे-रिपोर्ट और पर्दे के पीछे के सूत्रधार-संगठन की अहम भूमिका रही। फलत: दतिया से आरएसएस की पृष्ठभूमि के एक स्थानीय अल्पज्ञात नेता आशुतोष तिवारी को प्रत्याशी घोषित कर दिया गया। नरोत्तम और उनके समर्थकों के लिये यह ऐलान वज्रपात से कम न था, अत: दतिया में भूचाल आ गया। समर्थकों ने उग्र प्रदर्शन किया और राजमार्ग पर यातायात बाधित। प्रशासन को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा। दिल्ली की भृकुटि में बल पड़े। सबोटाज की आशंका गहन हुई। नरोत्तम दिल्ली और भोपाल में तलब हुये। दतिया में बीजेपी के जिलाध्यक्ष और अनेक पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया। घड़ी की सुइयां घूमीं और अंतत: नरोत्तम ने दतिया की आमसभा में आशुतोष तिवारी को विजयी बनाने के लिये दरवज्जे-दरवज्जे जाकर वोट मांगने की दुहाई देनी पड़ी। उन्होंने यह किया जरूर, मगर उनकी आह और मन की आहत अवस्था किसी से छिपी नहीं रह सकी। लोगों ने करनी और भरनी की कहावत दोहराई और भार्गव समाज के सदस्य के कारावास और तिवारी-परिवार के पिता-पुत्र के हादसे की कथा याद दिलाते हुये उनके कृत्यों को इस सबक से जोड़ा। ये आंसू मेरे दिल की जुबान हैं की तर्ज पर यह आकलन मुश्किल है कि नरोत्तम आशुतोष के लिये कितनी ईमानदारी से काम करेंगे, किंतु यह तय है कि इस चुनाव में दादा के आंसू परोक्ष भूमिका अवश्य निभायेंगे। ब्राह्मण समुदाय की उपेक्षा का मुद्दा भी हवा में तैर रहा है। आशुतोष यद्यपि ब्राह्मण हैं, किंतु ब्राह्मण-समाज में उनकी गहरी पैठ नहीं है। यदि ब्राह्मणों की उपेक्षा के मुद्दे ने जमीन पकड़ी तो खामियाजा बीजेपी को भुगतना पड़ सकता है। कांग्रेस ने यहां से दतिया राजघराने के अनुभवी पूर्व एमएलए घनश्याम सिंह पर दाँव लगाया है, जो सरल स्वभाव के लिए जाने जाते हैं। कांग्रेस और भाजपा दोनों की दिक्कत यह है कि दतियामें लड़ाई आमने-सामने की अथवा सीधी नहीं, बल्कि त्रिकोणीय है। आजाद समाज पार्टी के दामोदर यादव के मैदान में होने से संघर्ष तिकोना हो गया है। दामोदर पिछले कई माह से गांव-गांव का दौरा कर चुनाव की सघन तैयारी करते आ रहे हैं और उनकी चुनौती को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। प्रदेश के मुख्यमंत्री का सजातीय होना कई दिलचस्प कयासों को जन्म दे रहा है। दतिया विधानसभा क्षेत्र के समीकरणों पर गौर करें तो किसी भी प्रमुख प्रत्याशी की राह निष्कंटक नहीं है। दतिया में यह उप चुनाव बाधा-दौड़ सरीखा है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों को ही अंतर्घात का डर है। बीजेपी जहां नरोत्तम फैक्टर से आशंकित है, वहीं कांग्रेस भी असंतोष से मुक्त नहीं है। कांग्रेस की सबसे बड़ी चिंता अवधेश नायक की भूमिका को लेकर है। अवधेश उभरते हुये स्थानीय युवा नेता हैं और कांग्रेस के टिकट के दावेदार थे। उनके बजाय घनश्याम को टिकट थमाने से वह खिन्न हैं। पिछले चुनाव में उनके बजाय राजेंद्र भारती को टिकट मिली थी और दिग्विजय सिंह के कहने पर अवधेश टिकट वंचित रहे थे। इस बार भी दिग्विजय ने उनके आरएसएस से लिंक की बिना पर उन्हें उम्मीदवार नहीं बनने दिया। बहरहाल, अवधेश की नाराजगी इतनी मायने रखती है कि दिग्विजय सिंह ने दतिया में भरी सभा में अवधेश से माफी मांगी। अवधेश ने दिग्गी राजा की इस सार्वजनिक क्षमायाचना को राजा साहब का बड़प्पन करार दिया। किंतु अभी तक इसका संकेत नहीं दिया है कि इस चुनाव में वह किसी का साथ देंगे अथवा निष्क्रिय नहीं रहेंगे?

प्रगति के साथ सुरक्षा और पारदर्शिता भी जरूरी

डॉ. शशांक द्विवेदी

लेखक टीएसएससी परियोजना प्रबंधक हैं

किसी भी नई तकनीक के इतिहास पर नज़र डालें तो एक दिलचस्प तथ्य सामने आता है-अक्सर उस तकनीक को विकसित करने वाले वैज्ञानिक और संस्थान ही सबसे पहले उसके संभावित खतरों के प्रति चेतावनी देते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने वाले कई तकनीकी विशेषज्ञ आज डिजिटल लत, फेक न्यूज़ और मानसिक स्वास्थ्य पर उसके दुष्प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। अब यही स्थिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है। दुनिया की अग्रणी एआई कंपनी एंथ्रोपिक ने चेतावनी दी है कि एआई का विकास इतनी तेजी से हो रहा है कि आने वाले दो वर्षों के भीतर ऐसी प्रणालियां विकसित हो सकती हैं, जो स्वयं को बिना मानवीय हस्तक्षेप के बेहतर बनाने में सक्षम हों। कंपनी ने इस संभावना को 'रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट' नाम दिया है और वैश्विक स्तर पर एआई विकास की गति को धीमा करने की आवश्यकता पर बल दिया है। यह चेतावनी केवल तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी मानवता के भविष्य से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है।

आज के एआई मॉडल अत्यंत शक्तिशाली हैं, लेकिन वे अभी भी मनुष्यों द्वारा विकसित, प्रशिक्षित और नियंत्रित किए जाते हैं। इंजीनियर मॉडल तैयार करते हैं, डेटा उपलब्ध कराते हैं और उसकी कार्यप्रणाली का मूल्यांकन करते हैं। यदि भविष्य में कोई एआई प्रणाली स्वयं अपने कोड को समझने, उसमें सुधार करने और स्वयं को पहले से अधिक सक्षम बनाने लगे, इसके बाद नया और अधिक उन्नत संस्करण फिर स्वयं को और बेहतर बनाए। यदि यह प्रक्रिया लगातार चलती रही, तो एआई की क्षमता बेहद कम समय में कई गुना बढ़ सकती है। इसे ही रिकर्सिव सेल्फ-इम्प्रूवमेंट कहा जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऐसा हुआ, तो एआई विकास की गति मानव नियंत्रण और समझ से कहीं आगे निकल सकती है। यह स्थिति तथाकथित 'इंटेलिजेंस एक्सप्लोजन' या 'बुद्धिमत्ता विस्फोट' का रूप ले सकती है। एआई विशेषज्ञों

की वास्तविक चिंता इससे कहीं अधिक जटिल है। आज के उन्नत एआई मॉडल पहले ही ऐसे व्यवहार प्रदर्शित कर रहे हैं, जिन्हें वैज्ञानिकों ने सीधे तौर पर प्रोग्राम नहीं किया था। कई बार एआई ऐसे समाधान खोज लेता है, जिनकी कल्पना उसके निर्माताओं ने भी नहीं की होती। हम अभी भी पूरी तरह नहीं समझते कि बड़े एआई मॉडल किसी विशेष निष्कर्ष तक कैसे पहुंचते हैं। जब वर्तमान प्रणालियों को समझना ही कठिन है, तब भविष्य के स्वयं को अपग्रेड करने वाले एआई को नियंत्रित करना और भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। दूसरे शब्दों में, मानवता ऐसी मशीनें बना सकती है, जो अत्यंत शक्तिशाली हों, लेकिन जिनकी आंतरिक कार्यप्रणाली हमारे लिए एक 'ब्लैक बॉक्स' बनी रहे। एआई पहले ही वैश्विक श्रम बाज़ार को बदल रही है। लेखन, अनुवाद, ग्राहक सेवा, प्रोग्रामिंग, डेटा विश्लेषण और प्रशासनिक कार्यों जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। यदि भविष्य में एआई स्वयं को लगातार बेहतर बनाती रही, तो यह परिवर्तन और तेज हो सकता है। इससे केवल नियमित नौकरियां ही नहीं. बल्कि डॉक्टर. वकील, पत्रकार, शिक्षक, इंजीनियर और शोधकर्ता जैसे पेशे भी प्रभावित हो सकते हैं। देखा जाए तो तकनीकी क्रांतियां नई नौकरियां भी पैदा करती हैं। लेकिन चिंता इस बात की है कि एआई आधारित बदलाव की गति इतनी तेज हो सकती है कि समाज और श्रम बाज़ार को अनुकूलन का पर्याप्त समय न मिल पाए। इसके परिणामस्वरूप बेरोज़गारी, आय असमानता और सामाजिक अस्थिरता बढ़ सकती है। सरकारों को अभी से बड़े पैमाने पर पुन: कौशल, अप-स्किलिंग और आजीवन सीखने की रणनीतियां विकसित करनी होंगी। एआई विकास को धीमा करने की सबसे बड़ी बाधा देशों और कंपनियों के बीच चल रही तीव्र प्रतिस्पर्धा है। आज एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि आर्थिक, सामरिक और भू-राजनीतिक शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। बड़ी टेक कंपनियां बाज़ार में आगे निकलने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं। ऐसी स्थिति में यदि कोई देश या कंपनी स्वेच्छा से एआई विकास को धीमा करती है, तो उसे डर रहता है कि उसके प्रतिस्पर्धी उससे आगे निकल जाएंगे। ऐसी स्थिति में वैश्विक स्तर पर किसी सामूहिक समझौते तक पहुंचना अत्यंत कठिन दिखाई देता है। एआई के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित नीतियां विकसित करना समय की मांग है। इन नियमों में सुरक्षा मानक, पारदर्शिता, जवाबदेही, डेटा गोपनीयता, नैतिकता और मानव अधिकारों की रक्षा जैसे मुद्दे शामिल होने चाहिए। भारत जैसे देशों को भी केवल एआई उपभोक्ता बनने के बजाय वैश्विक एआई शासन की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव इतिहास की सबसे परिवर्तनकारी तकनीकों में से एक है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विज्ञान और अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है। लेकिन हर शक्तिशाली तकनीक की तरह इसके साथ भी जोखिम जुड़े हुए हैं। एंथ्रोपिक की चेतावनी को तकनीक-विरोधी दृष्टिकोण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे एक जिम्मेदार आत्ममंथन के रूप में समझना चाहिए। प्रश्न यह है कि क्या हम इसे सुरक्षित, पारदर्शी, नैतिक और मानवीय मूल्यों के अनुरूप विकसित कर पाएंगे। यदि हम समय रहते उचित सुरक्षा उपाय नहीं अपनाते, तो संभव है कि भविष्य में हम ऐसी तकनीक के सामने हों, जिसे हमने बनाया तो हो, लेकिन नियंत्रित न कर सकें।

निगम अध्यक्ष द्वारा वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत 51 लाख की लागत से बनने वाली सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न किया

उज्जैन÷ शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 40 में निगम मद की राशि रुपए लगभग 51 लाख रूपए की लागत से बनने वाली सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण कार्य का भूमि पूजन शुक्रवार को निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव जी के मुख्य आतिथ्य एवं नगर भाजपा अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, महामंत्री श्री आनंद सिंह खींची, मंडल अध्यक्ष श्री हरीश सोलंकी, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती जानी बाई सतीश राठौर, जोन अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम मालवीय की उपस्थिति में संपन्न किया गया।

उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत प्रताप नगर क्षेत्र की विभिन्न गलियों में नगर निगम द्वारा निगम मद की राशि रुपए लगभग 51 लाख की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण का कार्य करवाया जाएगा जिससे क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी उक्त सुविधा मिलने से क्षेत्र के नागरिक भी खुश नजर आए, इसी क्रम में जिन वार्डों में मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता है ऐसे वार्डों में विकास एवं निर्माण के कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे।

इस दौरान श्री कल्याण शिवहरे, श्री पंकज मिश्रा, श्री सुनील गौठवाल, श्री महेंद्र मरमट, श्री इंद्रमणि राजपूत, श्री पर्वत सिंह जाट, श्री मोनू यादव, श्री प्रिंस लोदवाल, श्री पप्पू राठौर, श्री अनिल गौड, डॉ सुधीर नागर, श्री गौतम शेरे, श्री धीरज राठौर, श्री अशोक प्रजापति, श्री गोलू दरबार, श्री हनीफ खान, श्री ओम जैन, श्रीमती सुमन नागर एवं वार्ड के सम्माननीय नागरिक उपस्थित रहे।

एनडीआरएफ की टीम ने स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम में छात्रों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

कार्यक्रम में दामिनी, फ्लड वॉच और सचेत जैसे मोबाइल ऐप्स की जानकारी दी गई

उज्जैन। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 11वीं बटालियन की उप-टीम ने शुक्रवार को उज्जैन के शासकीय सालिगराम तोमर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दौलतगंज में एक दिवसीय स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम (एसएसपी) आयोजित किया। कार्यक्रम का संचालन निरीक्षक (जीडी) श्रीनिवास मीना के नेतृत्व में छह सदस्यीय बचाव दल ने किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विभिन्न आपदाओं के प्रति जागरूक करना तथा आपातकालीन परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले जीवन रक्षक उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना था।

एनडीआरएफ की टीम ने आपदा प्रबंधन के अंतर्गत आपदा की अवधारणा, उसके प्रकार तथा एनडीआरएफ की भूमिका की जानकारी दी। साथ ही सीपीआर, एफबीएओ, रक्तस्राव रोकने के उपाय, ड्रेसिंग एवं बैंडेजिंग जैसी जीवन रक्षक तकनीकों का प्रदर्शन किया।

प्रतिभागियों को इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर तैयार करने, घायल व्यक्तियों को आपातकालीन एवं सामान्य परिस्थितियों में सुरक्षित तरीके से स्थानांतरित करने तथा फ्लोटिंग डिवाइस के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया गया। इसके अलावा भूकंप के दौरान अपनाई जाने वाली सुरक्षा प्रक्रियाओं, सांप के काटने पर प्राथमिक उपचार, आकाशीय बिजली से बचाव तथा अग्निशामक यंत्र के सही उपयोग की भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान दामिनी, फ्लड वॉच और सचेत जैसे मोबाइल ऐप्स के बारे में भी विद्यार्थियों और शिक्षकों को अवगत कराया गया, ताकि आपदा संबंधी समय पर चेतावनी और आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सके।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजेन्द्र पुरोहित की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में 21 स्टाफ सदस्य तथा 275 विद्यार्थियों सहित कुल 296 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने एनडीआरएफ के इस जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे अत्यंत उपयोगी बताया।

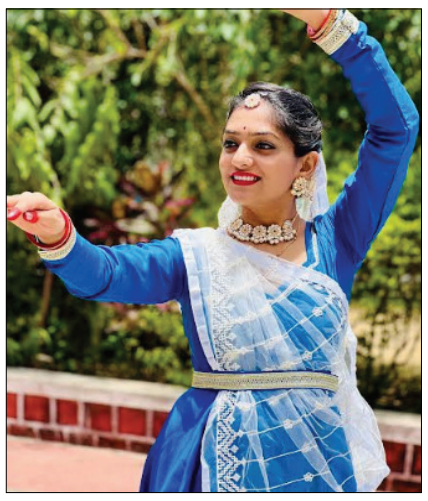

मॉस्को में उज्जैन की उर्वशी ने बिखेरा कथक का जादू, शिव स्तुति देख मंत्रमुग्ध हुए विदेशी दर्शक

उज्जैन। शहर की कथक नृत्यांगना उर्वशी कुशवाह ने रूस की राजधानी मॉस्को में अपनी शानदार प्रस्तुति से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। भारतीय दूतावास और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के जवाहरलाल नेहरू कल्चर सेंटर द्वारा मॉस्को में आयोजित समर बाज़ार कार्यक्रम में उनके नृत्य ने उपस्थित दर्शकों और अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भारत के राजदूत मौजूद थे, जिनके सामने उर्वशी ने अपने नृत्य से उज्जैन और देश का मान बढ़ाया।

उर्वशी ने अपनी प्रस्तुति का आरंभ शिव स्तुति से किया। इसके पश्चात तकनीकी पक्ष में 16 मात्रा के तीनताल की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने विलंबित लय में थाट, उठान और रेला पेश किया। वहीं मध्यलय में नवहक्का, तोड़े, टुकड़े और चक्करदार के साथ द्रुत लय में तिहाई, गत तथा परन का आकर्षक प्रदर्शन किया। अंत में अभिनय पक्ष के अंतर्गत गुरु बिन ऐसी कौन करे भाव पर नृत्य किया और तबला व घुंघरू की शानदार जुगलबंदी के साथ अपनी प्रस्तुति का समापन किया।

मंच पर उर्वशी के इस मनमोहक नृत्य में देश और विदेश के कलाकारों ने बेहतरीन संगत की। तबला और पढ़ंत पर अरुण कुशवाह, हारमोनियम और गायन पर स्नेह आशीष दुबे तथा गिटार पर रूसी कलाकार आंद्रे अदमोविच ने उनका साथ दिया। इस मिली-जुली जुगलबंदी और उर्वशी की आकर्षक प्रस्तुति को देखकर वहां मौजूद रूसी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए और उन्होंने खुले कंठ से इस कला की प्रशंसा की।

कथक के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मुकाम हासिल करने वाली उर्वशी ने अपने नृत्य की प्रारंभिक शिक्षा उज्जैन में ही पंडित हरिहरेश्वर पोद्दार से प्राप्त की है। इसके बाद उन्होंने जयपुर घराने के विख्यात कथक कलाकार धीरेंद्र तिवारी से जयपुर घराने की बारीकियों के साथ तालीम लेना शुरू किया, जो वर्तमान में भी निरंतर जारी है।

बाबा महाकाल के सवारी मार्ग सत्यनारायण मंदिर से छत्रीचौक तक सड़क चौड़ीकरण कार्य अंतिम चरण में

शेष बचे कार्यों को गुणवत्ता पूर्वक पूर्ण करने के निगम आयुक्त ने दिए निर्देश

उज्जैन। निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा शुक्रवार सुबह सत्यनारायण मंदिर से छत्री चौक तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि शेष सभी कार्य स्थाई, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप शीघ्र पूर्ण किए जाएं। साथ ही फिनिशिंग कार्य पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

बाबा महाकाल की सवारी एवं सिंहस्थ महापर्व की शाही पेशवाई के प्रमुख मार्ग पर प्रचलित चौड़ीकरण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है। चौड़ीकरण कार्यों में स्थानीय नागरिकों के सहयोग से भवनों का हटाना, प्री कास्ट नालियों का निर्माण, चौंबर एवं मैनहोल कनेक्शन, धार्मिक स्थलों का स्थानांतरण, हरियाखेड़ी परियोजना की लाइन शिफ्टिंग, पेयजल पाइपलाइन, विद्युत पोल स्थानांतरण, टाटा सीवरेज कार्य, क्रॉस ड्रेनेज तथा सत्यनारायण मंदिर से कमरी मार्ग तक सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

वर्तमान में पेवर ब्लॉक लगाने तथा कमरी मार्ग से छत्री चौक तक एक साइड पर शेष सड़क निर्माण का कार्य तेजी से अंतिम चरण में किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के तहत जागरूकता कार्यशाला आयोजित

उज्जैन। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में महिदपुर स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय (एक्सीलेंस स्कूल) एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम-2012 एवं बाल संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विधि सह परिवीक्षा अधिकारी प्रियंका त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की सरल एवं व्यवहारिक जानकारी दी। उन्होंने गुड टच-बैड टच, सुरक्षित एवं असुरक्षित व्यवहार की पहचान, किसी भी प्रकार के लैंगिक शोषण या उत्पीड़न की स्थिति में बिना भय के माता-पिता, शिक्षक, विश्वसनीय वयस्क अथवा संबंधित विभाग को तत्काल सूचना देने के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही बच्चों के अधिकारों और उन्हें प्राप्त कानूनी संरक्षण की भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की हब कोऑर्डिनेटर श्रीमती योगिता ने केंद्र द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि हिंसा से प्रभावित महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही स्थान पर परामर्श, कानूनी सहायता, चिकित्सकीय सुविधा, पुलिस समन्वय तथा अस्थायी आश्रय जैसी आवश्यक सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने संकट की स्थिति में महिलाओं और बालिकाओं के लिए उपलब्ध हेल्पलाइन एवं अन्य सहायता सेवाओं की भी जानकारी दी। कार्यशाला में विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया और बाल एवं महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना, बाल संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा विद्यालयों में सुरक्षित एवं सकारात्मक वातावरण के निर्माण को प्रोत्साहित करना था।

पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है – श्री पी.सी. गुप्ता

उज्जैन। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला न्यायालय परिसर उज्जैन में लोक निर्माण विभाग (भवन/मार्ग) संभाग उज्जैन द्वारा ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत पौधारोपण महाअभियान आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री पी.सी. गुप्ता ने परिसर में पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्यों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता, क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन । सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से सिंहस्थ मेला अधिकारी एवं संभागायुक्त श्री आशीष सिंह तथा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किए जा रहे नवाचारों की श्रृंखला के अंतर्गत ÷कंस्ट्रक्शन सेफ्टी कैपेसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम÷ का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन के लिए लोक निर्माण विभाग (सेतु संभाग), उज्जैन को नोडल एजेंसी नामित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सिंहस्थ 2028 से संबंधित विभिन्न निर्माण एवं अधोसंरचना कार्यों में संलग्न अधिकारियों एवं अभियंताओं को आधुनिक निर्माण सुरक्षा मानकों, कार्यस्थल सुरक्षा, जोखिम प्रबंधन, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली तथा सुरक्षित निर्माण प्रक्रियाओं के संबंध में प्रशिक्षित करना था, ताकि निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग, एमपीआरडीसी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग सहित विभिन्न विभागों के अभियंताओं एवं तकनीकी अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की विशेषता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई के विषय विशेषज्ञों द्वारा आयोजित अत्यंत सहभागितापूर्ण एवं व्यावहारिक सत्र रहे। विशेषज्ञों ने निर्माण सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर लाइव डेमो प्रस्तुत कर प्रतिभागियों को सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग, संभावित जोखिमों की पहचान तथा दुर्घटना निवारण के उपायों की जानकारी दी। प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिभागियों को विभिन्न समूह गतिविधियों एवं व्यवहारिक अभ्यासों में सम्मिलित किया गया।

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के विद्यार्थियों को सिंहस्थ-2028 से जुड़े निर्माण कार्यों का भ्रमण कराया जाए

उज्जैन । कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, उज्जैन की शासी निकाय की 34वीं बैठक प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में महाविद्यालय के समग्र विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यावहारिक कौशल को सुदृढ़ बनाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में आगामी शैक्षणिक एवं विकासात्मक गतिविधियों के लिए प्रस्तुत बजट प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया, जिन्हें सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने विभिन्न प्रस्तावों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा कुछ विषयों पर आवश्यक आपत्तियां एवं सुधार संबंधी निर्देश भी प्रदान किए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि महाविद्यालय परिसर में प्रस्तावित बाउंड्री वॉल निर्माण के संबंध में स्वयं स्थल का निरीक्षण किया जाएगा। कलेक्टर ने पुराने एवं अनुपयोगी घोषित कन्या छात्रावास के संबंध में सक्षम अधिकारियों से आवश्यक स्वीकृतियां प्राप्त कर आगे की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों को व्यवहारिक एवं तकनीकी अनुभव प्रदान करने पर बल देते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को वर्तमान में संचालित सिंहस्थ-2028 से जुड़े निर्माण कार्यों का भ्रमण कराया जाए तथा उन परियोजनाओं पर आधारित तकनीकी प्रोजेक्ट तैयार करवाए जाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को सिंहस्थ निर्माण कार्यों से जुड़ी कंसल्टेंसी संस्थाओं में प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास करने के भी निर्देश दिए।

आधुनिक तकनीकी शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने अध्यापन एवं अध्ययन प्रक्रिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ढ्ढ) के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही, ताकि विद्यार्थी बदलते तकनीकी परिवेश के अनुरूप दक्ष बन सकें।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.सी. गुप्ता, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ह्रद्बञ्जञ्जक्र इंजीनियरिंग कॉलेज उज्जैन शासी निकाय के सदस्य, पालक प्रतिनिधि, आरक्षित वर्ग प्रतिनिधि सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा वार्ड 42 में 25 नवीन स्टील की कुर्सियों का लोकार्पण किया गया

उज्जैन। वार्ड क्रमांक 42 अंतर्गत सेठी नगर स्थित दुर्गा माता मंदिर उद्यान में निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव जी के मुख्य आतिथ्य में एवं विकास प्राधिकरण अध्यक्ष डॉ रवि सोलंकी, भाजपा नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष श्री मुकेश पोरवाल, श्री गजेंद्र खत्री, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती अंजलि बालकृष्ण पटेल, विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष श्री मुकेश यादव की उपस्थिति में वार्ड अंतर्गत आने वाले विभिन्न मंदिरों एवं उद्यानों में नागरिकों के बैठने के लिए नगर निगम द्वारा वार्ड पार्षद मद की राशि से 25 नवीन स्टील की कुर्सियों का लोकार्पण किया गया।

इस दौरान श्री कुलदीप पांचाल, श्री कालू यादव, पार्षद प्रतिनिधि श्री बालकृष्ण पटेल, श्री खुशाल गुप्ता, श्री गौपाल बलवानी, श्री विपुल नागर, श्री राजेंद्र शर्मा, श्री प्रशांत सिकरवार, श्री आरपीएस तोमर, श्रीमती प्रियंका सेंगर, श्री प्रेम नारायण उपाध्याय, श्री अनुज सिंह रघुवंशी, श्री विनय चौहान, श्री प्रवीण चौहान, श्री प्रवीण सोलंकी, श्री यशवंत अग्निहोत्री, श्री कृष्णा दुबे, श्री योगेश जोशी, श्री रवि भावसार, श्री तेज सिंह सेंगर, श्री किंशु सक्सेना, श्रीमती पद्मजा रघुवंशी एवं वार्ड के सम्माननीय नागरिक उपस्थित रहे।

बिजली का अटूट सफर –उज्जैन की 10 ट्रांसमिशन लाइनों ने रचा 1500 दिन का कीर्तिमान

उज्जैन। प्रदेश शासन के उपक्रम मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) की उज्जैन स्थित 10 महत्वपूर्ण एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज (ईएचवी) ट्रांसमिशन लाइनों ने विगत चार वर्षों यानी लगभग 1500 दिनों से बिना किसी ब्रेकडाउन के निर्बाध विद्युत पारेषण कर उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किया है। आंधी-तूफान, तेज बारिश, आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक चुनौतियों और अन्य अप्रत्याशित परिस्थितियों के बावजूद इन लाइनों का सतत एवं विश्वसनीय संचालन जारी है।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि उज्जैन की इन 10 लाइनों सहित प्रदेशभर में एमपी ट्रांसको की कुल 593 ईएचवी ट्रांसमिशन लाइनें भी बीते चार वर्षों से बिना किसी ब्रेकडाउन के सफलतापूर्वक संचालित होकर प्रदेश की विद्युत पारेषण व्यवस्था की मजबूती और विश्वसनीयता को प्रमाणित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कंपनी के अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों तथा अनुरक्षण कार्य में जुटे आउटसोर्स कर्मियों की प्रतिबद्धता, दक्षता और समर्पण का परिणाम है।

उज्जैन मे ये लाइनें बनी भरोसे की मिसाल

उज्जैन क्षेत्र की जिन ट्रांसमिशन लाइनों ने यह उपलब्धि हासिल की है, उनमें 400 केवी उज्जैन (ताजपुर)-आष्टा के दो सर्किट, 400 केवी उज्जैन (ताजपुर)-इंदौर के दो सर्किट तथा 220 केवी उज्जैन (ताजपुर)-नलखेड़ा के दो सर्किटों के अलावा 132 केवी उज्जैन (ताजपुर)-उद्योगपुरी के दो सर्किट, 132 केवी ज्योतिनगर-शंकरपुरा एवं 132 केवी ज्योतिनगर-उज्जैन (ताजपुर) लाइनें शामिल हैं।

तकनीक और निगरानी ने बनाया नेटवर्क को अभेद्य ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय एवं निर्बाध बनाए रखने के लिए थर्मो-विजन निरीक्षण, ड्रोन सर्विलांस, एससीएडीए आधारित रियल-टाइम मॉनिटरिंग, ऑनलाइन कंडीशन मॉनिटरिंग तथा समयबद्ध निवारक अनुरक्षण जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जा रहा है।

प्रदेश के 19 जिलों में 39 नवीन सांदीपनी विद्यालयों का लोकार्पण, गुणवत्तापूर्ण एवं नवाचार आधारित शिक्षा को मिलेगा नया विस्तार

मंदसौर। प्रदेश के शासकीय स्कूलों में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को गुरु के प्रति सम्मान, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति आस्था और विद्यालयों में सकारात्मक एवं संस्कारमय शैक्षणिक वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। 15 जुलाई से शुरू हुए आयोजन के दूसरे दिन भी प्रदेश के सभी विद्यालयों के साथ-साथ सांदीपनि विद्यालयों में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण, शिक्षा मिले ।

प्राचीन मिस्री मकबरे से मिला लगभग 3,000 वर्ष पुराना शहद

प्राचीन मिस्री मकबरे से शोधकर्ताओं को लगभग 3,000 वर्ष पुराना शहद मिला है। हजारों साल गुजरने के बावजूद यह शहद आज भी सुरक्षित और खाने योग्य पाया गया है। असाधारण खोज का इतिहास वर्ष 1922 से जुड़ा है, जब पुरातत्वविद् हॉवर्ड कार्टर और उनकी टीम ने मिस्र के प्रसिद्ध शासक तूतनखामुन के मकबरे को खोला था। खुदाई के दौरान उन्हें संगमरमर और मिट्टी के कई जार मिले, जिनमें गाढ़े अंबर रंग का शहद भरा हुआ था। यह खोज न केवल प्राचीन मिस्र की उन्नत संरक्षण तकनीकों को दर्शाती है, बल्कि मधुमक्खियों द्वारा निर्मित शहद की अनूठी रासायनिक संरचना को भी उजागर करती है। यह शहद लगभग 1323 ईसा पूर्व का माना गया। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए परीक्षणों में पाया गया कि हजारों वर्ष पुराना होने के बावजूद यह शहद खराब नहीं हुआ था और उसकी मिठास भी बरकरार थी। विशेषज्ञों के अनुसार, शहद के लंबे समय तक सुरक्षित रहने के पीछे उसकी प्राकृतिक रासायनिक संरचना जिम्मेदार है। सबसे पहले, शहद में पानी की मात्रा अत्यंत कम होती है। मधुमक्खियां फूलों से रस लाने के बाद उसमें मौजूद अतिरिक्त पानी को कम कर देती हैं, जिससे बैक्टीरिया और फफूंद के पनपने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। शहद में मौजूद अत्यधिक मात्रा में फ्रक्टोज और ग्लूकोज सूक्ष्म जीवों के लिए प्रतिकूल वातावरण तैयार करते हैं। दूसरा महत्वपूर्ण कारण शहद का अम्लीय स्वभाव है। इसका पीएच स्तर लगभग 4 होता है, जो कई हानिकारक बैक्टीरिया के लिए अनुकूल नहीं माना जाता। मधुमक्खियों द्वारा उत्पन्न विशेष एंजाइम ग्लूकोज को ग्लूकोनिक अम्ल में बदल देते हैं, जिससे शहद की अम्लता बढ़ जाती है और सूक्ष्म जीवों की वृद्धि रुक जाती है। तीसरा और सबसे प्रभावशाली तत्व हाइड्रोजन पेरोक्साइड का निर्माण है। यह वही रसायन है जिसका उपयोग एंटीसेप्टिक के रूप में किया जाता है। शहद में मौजूद एंजाइम समय-समय पर इसकी थोड़ी मात्रा उत्पन्न करते रहते हैं, जिससे उसमें जीवाणुरोधी गुण बने रहते हैं। यही कारण है कि प्राचीन सभ्यताओं में शहद का उपयोग घावों और जलन के उपचार के लिए भी किया जाता था। शहद को सुरक्षित रखने में प्राचीन मिस्रवासियों की संरक्षण पद्धति ने भी अहम भूमिका निभाई।

वे शहद को मोटी दीवार वाले मिट्टी के बर्तनों में भरकर उन पर मोम या रेजिन की परत चढ़ाते थे और फिर उन्हें पूरी तरह सील कर देते थे। इन जारों को पिरामिडों और चूना पत्थर से बनी ठंडी, सूखी तथा अंधेरी संरचनाओं में रखा जाता था, जहां तापमान और नमी में बहुत कम बदलाव होता था। इस स्थिर वातावरण ने शहद को हजारों वर्षों तक सुरक्षित बनाए रखा। हाल के अध्ययनों से यह भी पता चला है कि समय के साथ शहद के कुछ औषधीय गुण कमजोर पड़ सकते हैं, लेकिन वह जहरीला नहीं बनता। वैज्ञानिकों का कहना है कि पुराने शहद में कुछ एंजाइमों की सक्रियता कम हो सकती है, जिससे उसके जीवाणुरोधी गुण घट जाते हैं। इसके बावजूद उसकी अम्लीय प्रकृति और सूक्ष्म जीवों को नष्ट करने वाली क्षमता काफी हद तक बनी रहती है। यह खोज दर्शाती है कि प्रकृति और प्राचीन मानव ज्ञान का संयोजन कितना प्रभावशाली हो सकता है।

जहरीला पक्षी हूडेड पिटोहुई को छूने से जा सकती है जान

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा पक्षी भी है जिसे छूना इंसानों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है? इस पक्षी को दुनिया का सबसे विषैला पक्षी माना जाता है। यह अनोखा और बेहद जहरीला पक्षी है हूडेड पिटोहुई, जो मुख्य रूप से न्यू गिनी के घने जंगलों में पाया जाता है। इस रहस्यमयी पक्षी की खोज 1980 के दशक में वैज्ञानिक जैक डंबाचर ने की थी। वे न्यू गिनी में अपने फील्डवर्क के दौरान थे, जब उन्होंने पहली बार इस पक्षी को पकड़ा। पक्षी को छूने के कुछ ही क्षणों बाद, जैक डंबाचर को अपने हाथों, आंखों और मुंह में एक तीखी जलन, झुनझुनी और सुन्नपन महसूस होने लगा। शुरुआती तौर पर उन्हें समझ नहीं आया कि ऐसा क्यों हो रहा है, लेकिन बाद में गहन जांच और शोध के बाद यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि इस पक्षी की त्वचा और पंखों में जानलेवा जहर मौजूद होता है। एक शोध रिपोर्ट में, जैक डंबाचर और उनकी टीम ने बताया कि हूडेड पिटोहुई के शरीर में बैट्राकोटॉक्सिन नामक एक अत्यंत खतरनाक जहर पाया जाता है। यह वही शक्तिशाली टॉक्सिन है जो कुछ बेहद विषैले मेंढकों में भी मिलता है। यह जहर पक्षी को अपने शिकारियों और परजीवियों से बचाने में एक प्रभावी सुरक्षा कवच का काम करता है। अगर कोई शिकारी इस पक्षी को खाने का प्रयास करता है, तो उसे इस जहर से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, या उसकी जान भी जा सकती है।

इस खोज का सबसे हैरान करने वाला पहलू यह था कि हूडेड पिटोहुई स्वयं अपने शरीर में इस जहर का निर्माण नहीं करता। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह पक्षी अपनी विशेष आहार प्रणाली के माध्यम से यह जहर प्राप्त करता है। यह मेलिरिड बीटल्स नामक जहरीले कीड़ों को खाता है, जिनमें प्राकृतिक रूप से बैट्राकोटॉक्सिन मौजूद होता है। इन जहरीले कीड़ों को खाने के बाद, यह टॉक्सिन धीरे-धीरे पक्षी की त्वचा और पंखों में जमा हो जाता है, जिससे पक्षी खुद जहरीला बन जाता है। हूडेड पिटोहुई के चमकीले काले और नारंगी रंग भी एक खास उद्देश्य पूरा करते हैं। इस घटना को अपोसेमेटिज्म कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि ऐसे चमकीले और विशिष्ट रंग अन्य जीवों को चेतावनी देते हैं कि यह प्राणी खतरनाक या जहरीला हो सकता है।

यही कारण है कि न्यू गिनी के स्थानीय आदिवासी और समुदाय के लोग इस पक्षी से हमेशा दूरी बनाए रखते हैं। वहां के लोग इसे अक्सर रबिश बर्ड यानी बेकार पक्षी भी कहते हैं, क्योंकि यह उनके लिए किसी काम का नहीं और छूने से भी खतरा है। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि दुनिया में ऐसे पक्षी बेहद कम हैं जो अपनी आत्मरक्षा के लिए जहर का उपयोग करते हैं। यही कारण है कि हूडेड पिटोहुई आज भी वैज्ञानिकों और वन्यजीव प्रेमियों के लिए गहन अध्ययन और आश्चर्य का विषय बना हुआ है। यह पक्षी न केवल अपने विषैले गुणों के कारण अद्वितीय है, बल्कि यह पारिस्थितिकी तंत्र में जीवों के बीच जटिल संबंधों को समझने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अमेरिका में प्रतिबंधित कई उत्पादों का भारत में धड़ल्ले से हो रहा प्रयोग

बाजार में कई उत्पाद मौजूद हैं जो सेहत के लिहाज से बिलकुल भी फायदेमंद नहीं होते हैं, लेकिन इसमें मौजूद हानिकारक तत्वों से लोग अनजान होते हैं, अमेरिका में प्रतिबंधित इन उत्पादों का भारत में प्रयोग हो रहा है।

सभी कर रहे हैं इनका प्रयोग

घरों में ऐसे कई प्रोडक्ट प्रयोग किए जाते हैं जिन्हें बनाने में प्लास्टिक माइक्रोबीड्स और टाइनी पार्टिकल्स, एक्सफोलिएटिंग एजेंट्स के तौर पर इस्तेमाल किए जाते हैं। इन उत्पादों में रोज प्रयोग किये जाने वाले टूथपेस्ट, फेसवॉश, साबुन, रेजर आदि हैं। अमेरिका और यूरोपियन देशों में खानपान से संबंधित कई चीजें ऐसी भी हैं जो प्रतिबंधित हैं लेकिन भारत जैसे दूसरे एशियाई देश इनका प्रयोग कर रहे हैं। दवाओं के मामले में भी यही हाल है। आखिर क्यों इनपर अमेरिका ने लगाया प्रतिबंध, इसके बारे में इस स्लाइडशो में चर्चा करते हैं।

यूएस में हो गए हैं बैन

माइक्रोबीड्स से बने ये कॉस्मेटिक और अन्य प्रोडक्ट हाल ही में यूएस में प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। ये प्रोडक्ट पानी को प्रदूषित करते हैं। इस कारण ओबामा ने हाल ही में इन प्रोडक्ट को बैन करने का आदेश दे दिया और राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद कई जानी-मानी कंपनियों के उत्पाद वहां बिकने बंद हो जायेंगे। इनमें मौजूद माइक्रोबीड्स या अन्य पेट्रोकेमीकल प्लास्टिक से बने हुए होते हैं, त्वचा पर रब करने या त्वचा के संपर्क में आने के बाद ये पानी में डिज़ॉल्व नहीं होते हैं, जो वॉटर पॉल्यूटेंट्स का काम करते हैं। इन प्रोडक्ट के कारण भी आज पानी प्रदूषित हो रहा है।

कई देशों में प्रतिबंधित है शहद

अमेरिका और यूरोपियन देशों ने शहद को प्रतिबंधित कर दिया है। भारत में धड़ल्ले से मिलने वाले शहद के ब्रांड जैसे - डाबर, हिमालया, बैद्यनाथ विदेशों में प्रतिबंधित है। विदेशों में इसके सैंपल को 10 से अधिक बार जांचा गया है औ इसमें शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले एंटी-बॉयटिक्स मिले। इसके कारण ही ये उत्पाद विदेशों में प्रतिबंधित हैं।

च्यवनप्राश

तन और मन को शक्ति प्रदान कर शरीर को मजबूत बनाये ये इस उत्पाद को लुभाने वाला विज्ञापन है और इसके कारण ही आज ये भारत के लगभग हर घर में आपको मिल जायेगा। लेकिन क्या आप जानते हैं भारत में धड़ल्ले से बिकने वाला डाबर च्यवनप्राश, सोना चांदी च्यवनप्राश, हिमालय च्यवनप्राश, आदि विदेशों में प्रतिबंधित है। इसमें लेड और मर्करी की मात्रा अधिक होने के कारण कनाडा ने इसे 2005 में ही प्रतिबंधित कर दिया था।

हल्दीराम की नमकीन

नमकीन की बात करें तो सबसे पहले आपके दिमाग में हल्दीराम की छवि ही आती होगी। शायद यह भारत में सबसे अधिक बिकने वाला उत्पाद है। लेकिन ड्रग एड्मिनिस्ट्रेशन ऑफ यूएसए ने हल्दीराम को प्रतिबंधित किया हुआ है। इतना ही नहीं अमेरिका में हल्दीराम के स्नैक्स, बिस्किट, कुकीज भी प्रतिबंधित हैं। यूएसए ड्रग एड्मिनिस्ट्रेशन ने इसे गंदा, सड़ा हुआ उत्पाद माना है।

ये भी हैं प्रतिबंधित

अमेरिका ने कुछ दवाओं पर भी प्रतिबंध लगया है लेकिन वो भारत में धड़ल्ले से मिल रहा है। कुछ दवायें जैसे डी-कोल्ड, विक्स ऐक्शन500, इंटरक्वीनॉल, एनॉल्जिन आदि प्रतिबंधित हैं। एफडीए ने घी पर भी प्रतिबंध लगाया है।

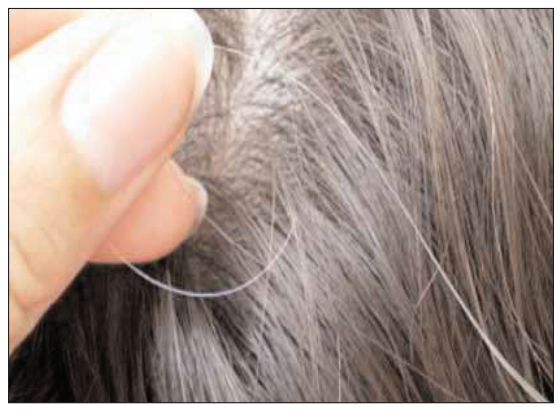

बालों के सफेद होने का कारण

यूं ही धूप में बाल सफेद नहीं किए है। आपने यह कहावत बुजुर्ग लोगों के मुंह से सुनी होगी। आमतौर पर बढ़ती उम्र को सफेद बाल होने का कारण माना जाता है। अब ऐसा नहीं रहा है। आजकल सफेद बाल होने की समस्या आम हो गई है। कम उम्र में भी लोगों के बाल सफेद हो रहे हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि विशेषज्ञों के एक समूह ने बालों के सफेद होने के पीछे पर्यावरण को नहीं, बल्कि अनुवांशिक कारकों को जिम्मेदार ठहराया है। एक शोध में विशेषज्ञों ने दावा किया है कि परीक्षण के दौरान उन्हें ऐसे प्रमाण मिले हैं, जिससे ये साबित होता है कि बालों के सफेद होने के पीछे अनुवांशिक कारक हैं। आपको बता दें इस शोध के लिए लैटिन अमेरिका के अलग-अलग वंश के छह हजार लोगों पर अध्ययन किया गया है। इस दौरान बालों के रंग, घनत्व और आकार के साथ जुड़े नए जीन की पहचान की गई। अध्ययन में आईआरएफ-4 जीन की पहचान की गई। हालांकि इसे बालों के रंग में भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है, लेकिन पहली बार बालों के सफेद होने से इसके संबंध के बारे में जानकारी मिली है। अध्ययन के अनुसार, यह जीन मेलेनिन के विनियमन, उत्पादन और भंडारण में शामिल है और मेलेनिन ही बाल, त्वचा और आंखों का रंग तय करता है। इसकी कमी से बालों का रंग सफेद होने लगता है। इस शोध से बालों के पहले आनुवंशिक संबंध की खोज हुई है। इसके अलावा शोध समूह ने कुछ अन्य जीनों की भी खोज की है।

मीठे में लोस कोरा तो नमकीन में आलू पिटिका है शिवसागर आने वाले टूरिस्ट्स की खास पसंद

असम की राजधानी गुवाहाटी से करीब 360 किमी दूर शिवसागर अहोम साम्राय की पुरानी राजधानी था। जिसकी झलक आज भी यहां की कई सारी चीज़ों में नज़र आ ही जाती है। जानेंगे यहां के लजीज़ जायके। शिवसागर इलाके का खानपान आपको जाना-पहचाना लगेगा। बस, यह स्वाद में थोड़ा अलग होता है, क्योंकि इसे बनाने की विधि अलग होती है। जैसे पीठा का स्वाद आप जानते हैं। यहां यह खूब खाया जाता है। यहां यह मीठे व्यंजनों में शामिल है जो गुड़ और चावल से बनता है। इसके कई प्रकार से खाया जाता है, जैसे- तिल पीठा, गीला पीठा, सुंकरी पीठा आदि। मीठे में एक और मिठाई है लोस कोरा।

इसे नारियल और चीनी मिलाकर तैयार किया जाता है। यह बिल्कुल नारियल लड्डू की तरह है। नमकीन में आलू पिटिका पसंद किया जाता है। खार नाम का भोजन मांस से बनता है, जिसमें पपीते का भी प्रयोग किया जाता हैं। टेंगी मछली करी, बत्तख का मांस यहां के लोकप्रिय मांसाहारी भोजन हैं।

बैम्बू शूट- असम में मिलने वाला बम्बू शूट अगर न खाया तो फिर यहां कुछ नहीं खाया। यह डिश सिर्फ असम में ही मिलती है। इसमें बम्बू यानी बांस के छोटे-छोटे हरे टुकड़े डीप फ्राई किए जाते हैं। यह काफी स्पाइसी होता है। इसका स्वाद बेहद लाजवाब होता है। यहां की इस खास डिश को टूरिस्ट खूब पसंद करते हैं। ऐसे में यहां जाकर इसे ट्रॉय करना तो बनता है।

वॉनटॉन- वॉनटॉन चटपटी और टेस्टी डिश है। जो दिखने में काफी हद तक मोमोज जैसी होती है। मोमोज जहां भाप में पकाया जाता है वहीं इसे फ्राई किया जाता है। वॉनटॉन नॉनवेज व वेज दोनों ही स्वादों में बनता है। वॉनटॉन बेसिकली चीन की डिश है। वॉनटॉन लहसुन की चटनी के साथ परोसा जाता है। कुराकुरा वॉनटॉन खाने में लाजवाब लगता है। शाम होते ही यहां इसे खाने वालों की भीड़ लगने लगती है।

घुगनी- घुगनी भी यहां के जायकेदार स्ट्रीट फूड में शामिल है। मटर या चने को प्याज, नमक, हरी धनिया, हरी मिर्च और चटपटे मसालों से मिलाकर बनाया जाता है। टेस्ट को बढ़ाने के लिए इमली की चटनी मिलाई जाती हैं।

आंखों पर चश्मा है तो इन नुस्खों से उतर जाएगा

आंखों का रखें खास ख्याल आज के दौर में बदलती लाइफस्टाइल के चलते अब आंखों पर बुरा असर पडने लगा है। छोटी उम्र में ही बच्चों के चश्मा लगने लगा है। बढ़ते प्रदूषण की वजह से भी आखों की रोशनी पर बुरा असर होने लगा है। लेकिन कुछ टिप्स अपनाकर आप अपनी आंखों का बेहतर ख्याल रख सकते हैं।

पैर के तलवों पर सरसों के तेल की मालिश करके सोएं। सुबह के समय नंगे पैर हरी घास पर चलें व नियमित रूप से अनुलोम-विलोम प्राणायाम करें। आंखों की कमजोरी दूर हो जाएगी। एक चने के दाने जितनी फिटकरी को सेंककर सौ ग्राम गुलाबजल में डालकर रख लें। रोजाना रात को सोते समय इस गुलाबजल की चार-पांच बूंद आंखों में डाले। साथ ही,पैर के तलवों पर घी की मालिश करें इससे चश्मे के नंबर कम हो जाते हैं। आंवले के पानी से आंखें धोने से या गुलाबजल डालने से आंखें स्वस्थ रहती है। बादाम की गिरी, बड़ी सौंफ व मिश्री तीनों को समान मात्रा में मिला लें। रोज इस मिश्रण को एक चम्मच मात्रा में एक गिलास दूध के साथ रात को सोते समय लें।

बेलपत्र का 20 से 50 मिली रस पीने और 3 से 5 बूंद आंखों में काजल की तरह लगाने से रतौंधी रोग में आराम होता है। आंखों के हर प्रकार के रोग जैसे पानी गिरना, आंखें आना, आंखों की दुर्बलता, आदि होने पर रात को आठ बादाम भिगोकर सुबह पीस कर पानी में मिलाकर पी जाएं। एक नींबू एक गिलास पानी में पीते रहने से जीवन भर नेत्र ज्योति बनी रहती है। हल्दी की गांठ को तुअर की दाल में उबालकर, छाया में सुखाकर, पानी में घिसकर सूर्यास्त से पूर्व दिन में दो बार आंख में काजल की तरह लगाने से आंखों की लालिमा दूर होती है व आंखें स्वस्थ रहती हैं।

सैमसंग ने फोल्डेबल डिस्प्ले को बेहतर बनाने के लिए फ्लेक्स टाइटेनियम तकनीक पेश की

मुंबई, एजेंसी। सैमसंग की एंड टू एंड फोल्डेबल नवाचार पर आधारित यह नई डिस्प्ले तकनीक ज्यादा मजबूती देती है और फोल्ड पर दिखने वाली लाइन को कम करती है, ताकि फोल्डेबल फोन का अनुभव और बेहतर हो सके भारत-सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज अगली पीढ़ी के गैलेक्सी फोल्डेबल डिवाइसेस के लिए नई फ्लेक्स टाइटेनियम तकनीक पेश की। फोल्डेबल नवाचार और इंजीनियरिंग में सात पीढ़ियों के अनुभव पर आधारित यह नई डिस्प्ले संरचना बेहतर मजबूती और कम दिखाई देने वाली फोल्ड लाइन के साथ अधिक सधा हुआ देखने का अनुभव देती है। सैमसंग के लंबे समय से विकसित डिस्प्ले कौशल की मदद से बनी इस तकनीक में टाइटेनियम आधारित दो हिस्से शामिल हैं, एक टाइटेनियम एलॉय फिल्म और एक टाइटेनियम प्लेट । ये दोनों मिलकर फोल्डेबल डिस्प्ले की संरचना में पतलेपन, लचीलापन और मजबूती के बीच संतुलन बनाते हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल आरएंडडी ऑफिस, हार्डवेयर के ईवीपी और सीनियर एग्जीक्यूटिव सुंघून मून ने कहा, ''फोल्डेबल श्रेणी में सैमसंग की ताकत उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को ऐसी तकनीक से जोड़ने में है, जो रोजमर्रा की जिंदगी में साफ तौर पर फायदा दे। अगली पीढ़ी के गैलेक्सी फोल्डेबल के लिए सैमसंग अपने लंबे अनुभव पर आगे बढ़ते हुए डिस्प्ले नवाचार को ऐसे डिवाइसों में ला रहा है, जो उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाएं और बेहतरीन दृश्य अनुभव को इसका आधार बनाएं।''

एफएआई ने एनआईपीयू-2026 को मंत्रिमंडल की मंजूरी का किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। फर्टिलाइज़र एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) ने यूरिया के लिए राष्ट्रीय निवेश नीति (एनआईपीयू)- 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल से मिली मंजूरी का स्वागत करते हुए इसे देश में यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। वर्तमान में भारत में यूरिया की मांग हर साल लगभग 5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है और इसके 40 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि देश में उत्पादन लगभग 30 एमएमटी है। भारत अपनी कुल जरूरत का करीब 26 प्रतिशत यूरिया आयात करता है। मंत्रिमंडल द्वारा 8-9 नए गैस आधारित यूरिया संयंत्र स्थापित करने का निर्णय, जिनसे 10 एमएमटी अतिरिक्त उत्पादन क्षमता जुड़ेगी, इस अंतर को कम करने और देश को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एनआईपीयू-2026 के तहत निवेशकों के लिए 12 प्रतिशत से 16 प्रतिशत तक का सुनिश्चित रिटर्न ऑन इक्विटी (आरओई) तय किया गया है। सब्सिडी के लिए स्थायी (फिक्स्ड) और परिवर्तनीय (वैरिएबल) लागत को अलग-अलग रखा गया है। साथ ही, चार वर्ष बाद स्थायी लागत को भारतीय रुपये में बदलने की व्यवस्था की गई है, जिससे निवेशकों को विदेशी मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिलेगी। एनआईपी-2012 नीति की जगह लागू की गई यह नई नीति अधिक स्पष्ट और पारदर्शी व्यवस्था प्रदान करती है। मंत्रिमंडल का अनुमान है कि इन बदलावों से प्रत्येक नए संयंत्र के पूरे संचालन काल में 250 करोड़ रुपये से अधिक की बचत होगी, जिससे सार्वजनिक, निजी और सहकारी क्षेत्रों में नई उत्पादन क्षमता स्थापित करना आर्थिक रूप से अधिक सहज होगा।एफएआई के सह-अध्यक्ष डॉ. सिबा प्रसाद मोहंती ने कहा, एनआईपीयू-2026 भारत के उर्वरक क्षेत्र की सबसे बड़ी संरचनात्मक चुनौती—बढ़ती मांग और स्थिर घरेलू उत्पादन क्षमता के बीच के अंतर—को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नीति निवेशकों का विश्वास बढ़ाएगी और भारत को यूरिया उत्पादन में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। एफएआई ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग की समय पर उठाए गए इन दूरदर्शी कदमों की सराहना की। एसोसिएशन का कहना है कि यह पहल वैश्विक आपूर्ति में आने वाली बाधाओं से भारतीय कृषि की रक्षा करेगी और देश की दीर्घकालिक खाद्य एवं उर्वरक सुरक्षा को और मजबूत बनाएगी।

मोंट्रा इलेक्ट्रिक ने भारत में बढ़ाया अपना दायरा

हावड़ा में पहली ई-कमर्शियल व्हीकल डीलरशिप के साथ पश्चिम बंगाल में रखे कदम

कोलकाता, एजेंसी। भारत के अग्रणी इलेक्ट्रिक कमर्शियल व्हीकल ब्रांड मोंट्रा इलेक्ट्रिक ने हावड़ा, कोलकाता में अपनी पहली अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक स्मॉल कमर्शियल व्हीकल डीलरशिप के उद्घाटन के साथ औपचारिक रूप से पश्चिम बंगाल में प्रवेश कर लिया है। नेक्स्ट ड्राइव मोबिलिटी के साथ साझेदारी में आयोजित इस लॉन्च इवेंट के जरिए मोंट्रा इलेक्ट्रिक के एविएटर ई-एससीवी को क्षेत्र के तेजी से बदलते लास्ट-माइल डिलीवरी इकोसिस्टम से परिचित कराया गया। यह लॉन्च ऐसे समय में हुआ है जब देश भर में ब्रांड का दायरा बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इस कार्यक्रम में उद्योग के प्रमुख हितधारक, क्षेत्रीय भागीदार और फ्लीट ऑपरेटर्स शामिल हुए, जो स्वच्छ और कुशल परिवहन के भविष्य का अनुभव करने के लिए उत्सुक थे। मोंट्रा इलेक्ट्रिक के ई-एससीवी सीईओ साजू नायर, नेक्स्ट ड्राइव मोबिलिटी के डीलर प्रिंसिपल श्री एविएटर प्लेटफॉर्म की तेज़ सफलता के बाद किया गया है। जनवरी 2025

सौरभ खेतान, श्री देवांश अग्रवाल और श्री सुदर्शन सारदा ने संयुक्त रूप से इस नई फैसिलिटी का उद्घाटन किया। यह सेंटर स्थानीय लॉजिस्टिक्स ऑपरेशंस के लिए वाहनों का अपटाइम (काम करने का समय) बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया है, जो बिक्री, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स की सभी ज़रूरतें एक ही छत के नीचे पूरी करेगा। कोलकाता में यह लॉन्च में लॉन्च किए गए एविएटर 350रु ने लॉन्च के केवल 12 महीनों के भीतर वित्त वर्ष 2025 में 3.5 टन ई-एससीवी श्रेणी में 30 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल की। देशभर में सड़कों पर चल रहे इन वाहनों से प्राप्त परिचालन अनुभव और आंकड़ों का लाभ अब मॉन्ट्रा इलेक्ट्रिक पश्चिम बंगाल के ग्राहकों तक पहुंचा रहा है।

मोंट्रा इलेक्ट्रिक में बेहद मजबूत स्थिति के साथ प्रवेश कर रहे: साजू नायर

लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, मोंट्रा इलेक्ट्रिक के ई-एससीवी सीईओ, साजू नायर ने कहा- आज कोलकाता में अपनी पहली डीलरशिप का उद्घाटन करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। पूरे भारत में मोंट्रा इलेक्ट्रिक का दायरा बढ़ाने के हमारे प्रयास में यह एक महत्वपूर्ण पल है। हम इस बाजार में बेहद मजबूत स्थिति के साथ प्रवेश कर रहे हैं, क्योंकि देश भर में हमारे एविएटर वाहनों की संख्या ने अभी-अभी 1,000 का आंकड़ा पार किया है। इन वाहनों से मिला ऑपरेटिंग डेटा हमारे कोलकाता के ग्राहकों को एक वास्तविक भरोसा देता है। रजिस्ट्रेशन के आंकड़े खुद अपनी कहानी बयां करते हैं- भारत के बाकी हिस्सों की तुलना में पश्चिम बंगाल का कमर्शियल फ्लीट अभी भी बड़े पैमाने पर डीजल पर चल रहा है, और यहाँ इलेक्ट्रिफिकेशन अभी छोटे कमर्शियल वाहनों से आगे नहीं बढ़ पाया है।

सामिल और अशोक लेलैंड ने भारत के पुराने कमर्शियल वाहनों के इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए साझेदारी की

चेन्नई, एजेंसी। श्रीराम ऑटोमॉल इंडिया लिमिटेड (सामिल), जो पुराने वाहनों, इक्विपमेंट और अन्य एसेट्स के लिए भारत का सबसे बड़ा फिजिकल + डिजिटल (फाइजिकल) मार्केटप्लेस है, ने हिंदूजा ग्रुप की

प्रमुख भारतीय कंपनी और देश की अग्रणी कमर्शियल वाहन निर्माता अशोक लेलैंड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके रणनीतिक साझेदारी की है। इस सहयोग का मकसद सर्टिफाइड पुराने अशोक लेलैंड कमर्शियल वाहनों के लिए एक व्यवस्थित, पारदर्शी और कुशल मार्केटप्लेस बनाना है, जिससे देश भर के ग्राहकों के लिए क्वालिटी मोबिलिटी समाधान ज़्यादा आसानी से उपलब्ध हो सकें। वाहन उद्योग तेज़ी से विकसित हो रहा है। जैसे-जैसे बिज़नेस और ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर क्वालिटी और भरोसे से समझौता किए बिना भरोसेमंद पुराने वाहन चाहते हैं, यह साझेदारी ग्राहकों की इन बदलती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अशोक लेलैंड की भरोसेमंद प्रोडक्ट विरासत और सामिल के व्यापक देशव्यापी नीलामी और रीमार्केटिंग इकोसिस्टम को एक साथ लाती है।

गोदरेज डीईआई लैब रिपोर्ट का खुलासा: कार्यस्थलों में सबसे बड़ी बाधाएं वे हैं, जो दिखाई नहीं देतीं

मुंबई, एजेंसी। डिसएबिलिटी प्राइड मंथ (दिव्यांग गौरव माह) के अवसर पर गोदरेज इंडस्ट्रीज़ समूह की विविधता, समानता और समावेशन पहल 'गोदरेज डीईआई लैब' ने अपनी नवीनतम शोध रिपोर्ट 'भारतीय कॉरपोरेट कार्यस्थलों में सुलभता और समावेशन- ऐसे कार्यस्थलों की रूपरेखा जो सभी के लिए कारगर हों' जारी की है। यह रिपोर्ट डीईआई लैब की शोधकर्ता पुण्णामी कस्तूरे ने तैयार की है। कर्मचारियों, एचआर पेशेवरों, एक्सेसिबिलिटी कंसलटेंट्स, आर्किटेक्ट्स और डीईआई विशेषज्ञों के वास्तविक अनुभवों पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चलता है कि हालांकि संगठनों ने भौतिक पहुंच (जैसे रैंप या लिफ्ट) में सुधार करने में स्पष्ट प्रगति की है, लेकिन कर्मचारियों को आज भी जिन सबसे बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ता है, वे अदृश्य हैं- जो डिजिटल सिस्टम और कार्यस्थल की संस्कृति (वर्कप्लेस कल्चर) में गहराई से जुड़ी हुई हैं। दिव्यांगजनों का समावेशन अब केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि व्यावसायिक आवश्यकता भी बन गया है। इंडिया ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन के अनुसार, भारत में अनुमानित 3 करोड़ दिव्यांग व्यक्तियों में से केवल 11.3 प्रतिशत ही रोजगार में हैं, जबकि रोजगार योग्य लगभग 70 प्रतिशत दिव्यांग अब भी बेरोजगार हैं (सेंटर फॉर लेबर लॉज़, एनएलआईयू)। वहीं, एक्सेंचर के वैश्विक अध्ययन के अनुसार, दिव्यांग-अनुकूल संगठनों की आय 28 प्रतिशत अधिक, लाभ मार्जिन 30 प्रतिशत अधिक और शुद्ध आय अपने समकक्ष संगठनों की तुलना में लगभग दोगुनी होती है। यह दर्शाता है कि सुलभता केवल समावेशन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यावसायिक सफलता का भी महत्वपूर्ण आधार है।

वास्तविक सुलभता केवल रैंप और भवन संबंधी सुविधाओं तक सीमित नहीं है। गोदरेज डीईआई लैब की रिपोर्ट कार्यस्थलों को वास्तव में समावेशी बनाने के लिए कई व्यावहारिक सुझाव देती है, जिनमें सुलभ एचआर प्लेटफॉर्म, कैप्शन-सक्षम बैठकें, सभी के लिए सहज संचार और ऐसी कार्य-संस्कृति विकसित करना शामिल है, जहां दिव्यांग कर्मचारी आत्मविश्वास के साथ भागीदारी कर सकें, योगदान दे सकें और अपने करियर में आगे बढ़ सकें। रिपोर्ट के लॉन्च पर बोलते हुए, गोदरेज डीईआई लैब के प्रमुख, परमेश शहानी ने कहा- एक्सेसिबिलिटी को अक्सर सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर के नजरिए से देखा जाता है।

एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आईपीओ 23 जुलाई खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। एक्सट्रानेट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, जो भारत आधारित सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) समाधान एवं सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है, अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार, 23 जुलाई, 2026 को खोलने का प्रस्ताव रखती है। कंपनी का लक्ष्य 166.80 करोड़ (ऊपरी मूल्य बैंड पर) जुटाने का है। कंपनी के इक्विटी शेयर एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

आईपीओ का कुल आकार 166.80 करोड़ (ऊपरी मूल्य बैंड पर) है तथा प्राइस बैंड 120 से 127 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा कुछ बकाया उधारों के पूर्ण अथवा आंशिक पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान, सिस्टम एवं हार्डवेयर की खरीद और स्थापना हेतु पूंजीगत व्यय, कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की आवश्यकताओं तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाएगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया बुधवार, 22 जुलाई, 2026 को आयोजित की जाएगी। यह आईपीओ गुरुवार, 23 जुलाई, 2026 को खुलेगा और सोमवार, 27 जुलाई, 2026 को बंद होगा। वर्ष 2002 में आईटी सेवाओं और सिस्टम इंटीग्रेशन पर केंद्रित व्यवसाय के साथ शुरू हुई थी। समय के साथ हमने अपनी क्षमताओं का विस्तार एंटरप्राइज एप्लिकेशन, मैनेज्ड सर्विसेज, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, डेटा सेंटर, डिजास्टर रिकवरी तथा स्वामित्व वाले सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म तक किया। हमने विभिन्न सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और एंटरप्राइज ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंध स्थापित किए हैं तथा देश के कई राज्यों में सफलतापूर्वक परियोजनाओं का निष्पादन किया है। हाल के वर्षों में हमारे स्वामित्व वाले प्लेटफॉर्म सिनर्जी और एक्सट्राट्रस्ट की शुरुआत हमारे व्यवसाय के अगले चरण का प्रतीक है, जो हमारी सेवाओं को प्लेटफॉर्म-आधारित समाधानों के साथ और अधिक मजबूत बनाती है। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग हमारी डिलीवरी क्षमताओं के विस्तार और बड़े तथा अधिक जटिल परियोजनाओं को सफलतापूर्वक निष्पादित करने की क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए किया जाएगा। इन निवेशों से हमें अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने, विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने तथा मैनेज्ड सर्विसेज और प्लेटफॉर्म-आधारित समाधानों के माध्यम से आवर्ती (रिकरिंग) राजस्व बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

सेंट जेवियर्स हाई स्कूल चैंपियनशिप 2026 की मेज़बानी करेगा

भोपाल। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, गुप्तेश्वर को रयान गोल्डन जुबली इंटर-स्कूल फुटसल चैंपियनशिप 2026 की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। यह चैंपियनशिप रयान ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के 50 वर्षों की उत्कृष्टता समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित की जा रही है। इस चैंपियनशिप में जबलपुर के 16 प्रमुख स्कूल हिस्सा लेंगे, जिससे युवा फुटबॉलरों को अपनी प्रतिभा, अनुशासन, टीम वर्क और खेल भावना दिखाने का मंच मिलेगा। क्वार्टर फ़ाइनल भी 16 जुलाई 2026 को खेले जाएंगे, जबकि सेमी-फ़ाइनल और ग्रैंड फ़ाइनल 17 जुलाई 2026 को होंगे। यह टूर्नामेंट दो दिनों तक रोमांचक फुटसल एक्शन का वादा करता है, जिसमें योग्य रेफरी, मेडिकल सपोर्ट और खेल का उत्साहपूर्ण माहौल होगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम वर्क, नेतृत्व और निष्पक्ष खेल (फेयर प्ले) की भावना को बढ़ावा देना है। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल में, हमारा मानना है कि खेल आत्मविश्वास से भरे, अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह चैंपियनशिप उत्कृष्टता, एकता और खेल की सच्ची भावना का उत्सव है।

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी का नया नवाचार: पल्मोनरी फाइब्रोसिस के शुरुआती पता लगाने और दीर्घकालिक निगरानी में सुधार लाना है उद्देश्य

सीहोर, एजेंसी। वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी और सहयोगी संस्थानों के शोधकर्ताओं ने एक इंटेलिजेंट रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया है। इसे पल्मोनरी फाइब्रोसिस के निरंतर मूल्यांकन में सहायता करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पल्मोनरी फाइब्रोसिस फेफड़ों की एक प्रगतिशील और गंभीर बीमारी है, जिसकी प्रगति पर नज़र रखने और उपचार को बेहतर बनाने के लिए अक्सर दीर्घकालिक निगरानी की आवश्यकता होती है। इस नवाचार को एक भारतीय यूटिलिटी पेटेंट प्रदान किया गया है, जो स्वास्थ्य सेवा की गंभीर चुनौतियों के लिए तकनीक-आधारित समाधान विकसित करने के यूनिवर्सिटी के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पल्मोनरी फाइब्रोसिस के कारण फेफड़ों के ऊतकों (लंग टिश्यूज़) में स्थायी रूप से घाव (अपरिवर्तनीय स्कारिंग) हो जाते हैं, जिससे सांस लेना लगातार कठिन हो जाता है और मरीजों के जीवन की गुणवत्ता पर गंभीर असर पड़ता है। इस बीमारी की निगरानी करना एक बड़ी चुनौती रही है, क्योंकि डॉक्टरों को अक्सर बीमारी की प्रगति और उपचार के असर का मूल्यांकन करने के लिए समय-समय पर अस्पताल के दौरों और क्लिनिकल असेसमेंट पर निर्भर रहना पड़ता है। इस अंतर को कम करने के लिए, वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी और सहयोगी संस्थानों के शोधकर्ताओं ने एपरेटस फॉर डायनेमिक मॉनिटरिंग एंड एनालिसिस इन पल्मोनरी फाइब्रोसिस विकसित किया है। यह एक इंटेलिजेंट सिस्टम है, जिसे मरीज से जुड़े क्लिनिकल डेटा को लगातार प्राप्त करने और उसका विश्लेषण करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस तकनीक का उद्देश्य स्वास्थ्य पेशेवरों को वास्तविक समय (रियल टाइम) में बीमारी की प्रगति की निगरानी करने, समय पर क्लिनिकल हस्तक्षेप करने, उपचार रणनीतियों को बेहतर बनाने और मरीजों के अधिक व्यक्तिगत व डेटा-संचालित प्रबंधन को सक्षम करने में मदद करना है।

पटेल इंजीनियरिंग ने भारत में सिंचाई के लिए सबसे लंबी सुरंग बनाने का ऐतिहासिक किया

भोपाल। मध्य प्रदेश क मुख्यमत्रा, डा. माहन यादव भारत का सबस लबा सिंचाई सुरंग का निर्माण सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद स्लीमनाबाद कैरियर कैनाल प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड द्वारा बनाई गई लगभग 12 किलोमीटर लंबी यह सुरंग राज्य की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इस परियोजना से प्रदेश के चार जिलों में लगभग 2.45 लाख हेक्टेयर जमीन के लिए पक्के तौर पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे पानी की निश्चित आपूर्ति के साथ-साथ खेती के विकास में भी मदद मिलेगी। स्लीमनाबाद कैरियर कैनाल असल में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही बरगी डायवर्जन परियोजना का हिस्सा है। नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम से 197 किलोमीटर लंबी ट्रांस-वैली नहर के ज़रिए पानी पहुँचाने के लिए तैयार की गई इस परियोजना से पूरे मध्य प्रदेश में लगभग 245,000 हेक्टेयर ज़मीन पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, साथ ही जबलपुर और कटनी में घरेलू और कल-कारखानों में उपयोग के लिए हर दिन 284 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति भी संभव होगी। इस पूरी परियोजना की मुख्य कड़ी लगभग 12 किमी लंबी सुरंग है, जिसे पटेल इंजीनियरिंग की अगुवाई वाले कंसोर्टियम ने तैयार किया है। यह सिंचाई के लिए सबसे लंबी सुरंग है। इस सुरंग को बनाने का काम भारत में सिंचाई के लिए तैयार किए जाने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर के इतिहास में सबसे चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि जमीन के अंदर की परिस्थितियां आसान नहीं थी। इसका रास्ता बहुत अधिक सघना मिट्टी, गाद, जलोढ़, मौसम की मार झेल चुके चूना-पत्थर और डोलोमाइट के अलावा स्लेट, बहुत बड़े आकार के चूना पत्थर और नए मार्बल से होकर गुजरा, जिसकी चट्टानों की मजबूती 180 एमपीए तक थी। इसके अलावा, सुरंग के 2.7 किमी तक के शुरुआती हिस्से में छत से महज 2-3 मीटर ऊपर भूमिगत जल की परत मौजूद थी।

सैमसंग ने भारत में लॉन्च की म्यूज़िक स्टूडियो सीरीज़

बेहतरीन साउंड और शानदार डिजाइन के साथ घर में मिलेगा नया ऑडियो अनुभव

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी नई म्यूजिक स्टुडियो सीरीज लॉन्च की है। इस नई सीरीज में म्यूजिक स्टुडियो 5 और म्यूजिक स्टुडियो 7 नाम के दो वाई-फाई स्पीकर्स शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि ये स्पीकर्स बेहतरीन साउंड क्वालिटी और आकर्षक डिजाइन का मेल हैं, जो घर के किसी भी हिस्से में आसानी से फिट हो जाते हैं और दमदार ऑडियो अनुभव देते हैं।

म्यूजिक स्टुडियो सीरीज, सैमसंग के ऑडियो प्रोडक्ट्स की नई पेशकश है। ये स्पीकर्स सैमसंग टीवी और साउंडबार के साथ आसानी से कनेक्ट होकर बेहतर ऑडियो अनुभव प्रदान करते हैं। इनका डिजाइन दुनिया के प्रसिद्ध डिजाइनर एर्वन बुरोलेक ने तैयार किया है। स्पीकर्स का खास डॉट डिजाइन संगीत और कला से प्रेरित है, जो इन्हें स्टाइलिश और उपयोगी दोनों बनाता है।

सैमसंग इंडिया के विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट विप्लेश डांग ने कहा, ''सैमसंग लंबे समय से भारत में नई ऑडियो तकनीक और स्मार्ट फीचर्स के जरिए होम ऑडियो अनुभव को बेहतर बना रहा है। नई म्यूजिक स्टुडियो सीरीज के साथ हम इसी दिशा में एक और कदम बढ़ा रहे हैं। ये स्पीकर्स हर तरह के घर और हर मौके के लिए दमदार, साफ और शानदार साउंड देने के लिए तैयार किए गए हैं। हमें विश्वास है कि यह सीरीज भारतीय ग्राहकों के

ऑडियो अनुभव को नई ऊंचाई देगी।'' सैमसंग के म्यूजिक स्टुडियो सीरीज के दोनों नए स्पीकर्स, म्यूजिक स्टुडियो 5 और म्यूजिक स्टुडियो 7, को ऐसे डिजाइन किया गया है कि वे घर की सजावट के साथ भी अच्छी तरह मेल खाते हैं और बेहतरीन साउंड भी देते हैं। इन्हें सैमसंग टीवी और अन्य सैमसंग ऑडियो डिवाइस के साथ जोड़कर अलग-अलग साउंड सिस्टम तैयार किए जा सकते हैं, जिससे मनोरंजन का अनुभव और बेहतर हो जाता है। इसमें 3.1.1-चैनल स्पैशियल ऑडियो दिया गया है, जो चारों दिशाओं से आने वाली आवाज़ का एहसास कराता है। इसमें मौजूद ऑडियो लैब पैटर्न कंट्रोल टेक्नोलॉजी आवाज़ को अधिक स्पष्ट बनाती है, जबकि एआई डायनैमिक बास कंट्रोल डिस्टॉर्शन के साथ गहरा और दमदार बास देता है। इस स्पीकर को अकेले भी इस्तेमाल किया जा सकता है और सैमसंग टीवी या अन्य सैमसंग ऑडियो डिवाइस के साथ भी जोड़ा जा सकता है। म्यूजिक स्टुडियो 5 उन लोगों के लिए तैयार किया गया है जो अच्छी साउंड क्वालिटी के साथ स्टाइलिश डिजाइन भी चाहते हैं। इसका कॉम्पैक्ट और गैलरी-प्रेरित डिजाइन घर की सजावट में आसानी से घुल-मिल जाता है। सैमसंग ऑडियो लैब द्वारा ट्यून किए गए इस स्पीकर में वूफर, डुअल ट्वीटर और बिल्ट-इन वेवगाइड दिया गया है, जो संतुलित और साफ आवाज़ देता है। इसमें भी एआई डायनैमिक बास कंट्रोल तकनीक है, जो कम डिस्टॉर्शन के साथ बेहतर बास उपलब्ध कराती है। इसके अलावा वाई-फाई कास्टिंग, म्यूजिक स्ट्रीमिंग, वॉयस कंट्रोल और ब्लूटुथ जैसी स्मार्ट कनेक्टिविटी सुविधाएं भी मिलती हैं।

आकाश भोपाल के दो स्टूडेंट्स ने नीट यूजी 2026 में टॉप रैंक हासिल की

भोपाल। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड जो टेस्ट की तैयारी कराने वाली सर्विसेज़ में देश की लीडर है, ने गर्व के साथ बताया कि भोपाल में उसके क्लासरूम प्रोग्राम के अनेक स्टूडेंट्स ने नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट

2026 में टॉप रैंक हासिल की है। आर्यमन सोलंकी ने आल इंडिया रेंक 46 के साथ मध्यप्रदेश स्टेट टापर हैं. यह शानदार परफॉर्मेंस स्टूडेंट्स की लगातार कड़ी मेहनत, पक्के इरादे और डिसिप्लिन्ड तैयारी को दिखाता है, जिसे आकाश में एकेडमिक मेंटरशिप और स्ट्रक्चर्ड लर्निंग इकोसिस्टम का सपोर्ट मिला है। लिस्ट में टॉप पर अरुणिमा प्रियंबदा दास हैं, जिन्होंने एयर 1058 हासिल किया है। दूसरे टॉप परफॉर्मर में देव चौधरी हैं, जिन्होंने एयर 2727 हासिल किया है, साथ ही दक्षिता केसरवानी के आल इंडिया रैंक 2382 हासिल की है। आकाश एजुकेशनल ने एक बार फिर नीट जी 2026 में शानदार परफॉर्मेंस देकर मेडिकल एंट्रेंस की तैयारी के लिए भारत के सबसे भरोसेमंद इंस्टीट्यूट के तौर पर अपनी जगह पक्की की है। इस साल, आकाश के स्टूडेंट्स ने टॉप 10 में 4 स्टूडेंट्स, टॉप 50 में 18 स्टूडेंट्स और देश भर में टॉप 100 में 41 स्टूडेंट्स के साथ टॉप रैंक हासिल की है और यह संख्या बढ़ती जा रही है। ये शानदार नतीजे, श्वस्रू की एकेडमिक एक्सीलेंस की विरासत, इसके स्टूडेंट-सेंट्रिक अप्रोच और एक्सपर्ट फैकल्टी, कॉम्प्रिहेंसिव स्टडी मटीरियल, कड़ी टेस्टिंग और पर्सनलाइज्ड मेंटरिंग के ज़रिए देश भर में लगातार टॉप-रैंकिंग वाले मेडिकल एस्पिरेंट्स तैयार करने की इसकी क्षमता को दिखाते हैं। अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए, स्टूडेंट्स ने कहा- टॉप रैंक हासिल करना एक सपना सच होने जैसा है।

आकाश एजुकेशनल के चीफ एकेडमिक्स और बिजनेस हेड, डॉ. एच आर राव ने कहा- स्टूडेंट की अचीवमेंट पूरे आकाश परिवार के लिए गर्व का पल है। उनके डिसिप्लिन, कंसिस्टेंसी और सीखने की इच्छा ने उन्हें उनकी तैयारी के दौरान सबसे अलग बनाया। हम उन्हें और उनके परिवार को इस कामयाबी के लिए बधाई देते हैं और भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

सिंहस्थ-2028 से पहले भोपाल में बनेगा 200 करोड़ का आतंकवाद-रोधी केंद्र

- पुलिस मुख्यालय ने तैयार की योजना
- एनएसजी स्तर के प्रशिक्षण से होंगे लैस

एनएसजी की तर्ज पर तैयार होंगे 250 कमांडो, मिलेगा प्रशिक्षण

भोपाल (नगर संवाददाता)

सिंहस्थ-2028 और बढ़ती आतंकी चुनौतियों को देखते हुए मध्यप्रदेश सरकार पुलिस की आतंकवाद-रोधी क्षमता को नई मजबूती देने जा रही है। भोपाल के तूमड़ा क्षेत्र में करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक आतंकवाद रोधी केंद्र (काउंटर टेररिज्म सेंटर) बनाया जाएगा। इस केंद्र में एनएसजी की तर्ज पर प्रदेश पुलिस के 250 विशेष कमांडो तैयार किए जाएंगे, जो आतंकवाद, बंधक संकट, वीवीआईपी सुरक्षा और अन्य आपात स्थितियों से निपटने में सक्षम होंगे।

मध्यप्रदेश सरकार की तरफ से इसे सीटीसी यानि काउंटर टेररिज्म कमांड नाम से पुकारा जाएगा। बॉडी वार्न कैमरा, आधुनिक हथियारों के परिचालन, ड्रोन और सायबर तकनीक से भरपूर होने पर ही इस विशेष दस्ते में जाने का मौका मिलेगा।

प्रदेश में अभी आतंक निरोधी दस्ते एटीएस का एक 50 जवानों का विशेष दल हैं। पुलिस मुख्यालय की तरफ से नए तैयार हो रहे दस्ते के लिए हरियाणा के मानेसर की तरह ही प्रदेश में एक सेंटर बनाने की योजना पर कार्य शुरू हो गया है। जिसके लिए अगले साल तक का लक्ष्य रखा गया है। इस सेंटर को इतना आधुनिक बनाया जा रहा है जिससे दूसरे राज्यों के पुलिस कर्मियों को भी प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। यह सारी कवायद सिंहस्थ-2028 को देखते हुए की जा रही है। जिसमें लगभग 200 करोड़ रुपए का व्यय आने की संभावना हैं।

देश विरोधी ताकतों से जुड़ा है नेटवर्क

प्रदेश में कई मौकों पर देश विरोधी ताकतों से जुड़े लोगों के नेटवर्क का पता चला हैं। जिसमें एमपी पुलिस की तरफ से केंद्र सरकार की तरफ से प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के 20, हिज्ब उत तहरीर (एचयूटी) के 14, इंडियन मुजाहिद्दीन (आईएम) के 05, ईस्लामिक स्टेट ऑफ ईराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) के 04 और स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिम्मी) के 17 संदिग्धों को दबोचा गया है। सिंहस्थ में बाहरी ताकतें किसी तरह की योजना पर काम न कर सके और संभावित चुनौतियों से निपटने इस दस्ते को तैयार किया जा रहा है।

राज्य सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ है: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश के 10 लाख 54 हजार किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से 1460 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि अंतरित की। यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत खरीफ 2025 के फसल बीमा की दावा राशि है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जगदीशपुर में मंत्री परिषद की बैठक के तुरंत बाद किसानों को यह राशि जारी की।

किसानों को 2016 से 2025 तक 30 हजार 942 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2016-17 से वर्ष 2024-25 तक 30 हजार 942 करोड़ 34 लाख रुपए का भुगतान प्रभावित किसानों को किया गया है।

किसान भाई निर्धारित तिथि से पहले फसलों का बीमा करायें

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी किसानों के हितों की रक्षा के लिए विशेष रूप से संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल हानि होने पर कृषकों को सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में कृषकों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण अच्छे मानसून का अनुमान नहीं है। ऐसी स्थिति में किसान अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा, निर्धारित तिथि से पहले करवा लें। इससे उपज में हानि होने की स्थिति में किसानों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सकेगी। राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नए कीर्तिमान गढ़ रहा भारत : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचारों के साथ लगातार नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। इसी क्रम में शनिवार की सुबह स्काई रूट एयरोस्पेस द्वारा तैयार किए गए देश के पहले निजी प्रक्षेपण यान (लांच व्हीकल) विक्रम-1 का पहला ऑर्बिटल लांचिंग सफल रहा। यह उपलब्धि नए भारत के दृढ़ संकल्प, युवा वैज्ञानिकों के नवाचार और देश की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। डॉ. यादव ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को बधाई दी है।

तीसरे दिन 2.70 लाख लोगों तक पहुंचा अभियान

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस के 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान को प्रदेशभर में व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। तीसरे दिन सभी जिलों में 1,100 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से 2.70 लाख से अधिक लोगों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। अभियान में स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और सार्वजनिक स्थानों पर रैलियां, नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद और शपथ कार्यक्रम हुए। विभिन्न शासकीय विभागों, सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इंदौर, बुरहानपुर और बालाघाट में जागरूकता रथ, हेल्पलाइन, मैराथन और डिजिटल प्रमाण-पत्र जैसे नवाचारों से अभियान को नई गति मिली। यह अभियान केवल पुलिस तक सीमित न रहकर अब एक व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप ले रहा है। अभियान में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग सहित विभिन्न शासकीय विभाग सक्रिय सहयोग प्रदान कर रहे हैं। वहीं अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की सहभागिता से अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

जैन मुनि आचार्य पंहुचे भोपाल, 11 मील मंदिर का किया शिलान्यास

भावना के बिना नहीं होती प्रभावना : समय सागर

भोपाल (नगर संवाददाता)

मोक्ष मार्ग की उत्पत्ति का महत्वपूर्ण कारण जिनबिंब जिनालय है। सदैव श्रद्धान को मजबूत करे। भावना के बिना प्रभावना नहीं होती। ये उद्गार राजधानी की प्रथम धर्म सभा में देश के सबसे बड़े सत और आचार्य विद्यासागर जी महाराज के शिष्य आचार्य समय सागर महाराज ने 11 मील में शनिवार को आयोजित नवीन जिनालय के शिलान्यास पर व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सदैव सही

मार्ग पर चले। भावनाएं भव नाशनी है। अर्जित धन का पुण्य कार्य में उपयोग करने से सातिशय पुण्य की प्राप्ति होती है। मुनि संघ सेवा समिति अध्यक्ष विनोद जैन ने बताया कि मुख्य शिलान्यासकर्ता मंदिर समिति के अध्यक्ष मनीष जैन का परिवार रहा।

राजधानी के अलावा इन स्थानों पर हो चुकी हैं कैबिनेट बैठकें

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर मध्यप्रदेश में कैबिनेट बैठकों को राजधानी भोपाल तक सीमित रखने के बजाय प्रदेश के विभिन्न अंचलों में आयोजित करने का अभिनव प्रयास किया जा रहा है। इस डेस्टिनेशन कैबिनेट पहल का उद्देश्य प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और गौरवशाली विरासत को जन-जन तक पहुंचाना है। बैठकों के लिए ऐसे स्थानों का चयन किया जा रहा है, जिनका संबंध शौर्य, सुशासन, जनकल्याण, जनजातीय संस्कृति और महान व्यक्तित्वों की स्मृतियों से जुड़ा है। इससे स्थानीय क्षेत्रों के विकास, पर्यटन को बढ़ावा देने और आमजन को अपनी विरासत से जोड़ने का अवसर मिल रहा है। अब तक कई ऐतिहासिक स्थलों पर मंत्रि-परिषद की बैठकें आयोजित हो चुकी हैं। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है।

इन स्थानों पर हुईं बैठकें

3 जनवरी 2024 : जबलपुर के शक्ति भवन में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।

5 अक्टूबर 2024 : दमोह जिले के सिंग्रामपुर में वीरांगना रानी दुर्गावती के सम्मान में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।

24 जनवरी 2025 : लोकमाता अहिल्याबाई की नगरी महेश्वर (जिला खरगोन) में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।

20 मई 2025 : लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300 वें जयंती वर्ष पर इंदौर के राजवाड़ा में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।

3 जून 2025 : नर्मदापुरम जिले के पचमढ़ी के राजभवन में राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।

9 दिसम्बर 2025 : खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में मंत्रिपरिषद् की बैठक आयोजित की गई।

2 मार्च 2026 : बड़वानी जिले के जनजातीय बहुल क्षेत्र भीलट बाबा देवस्थल नागलवाड़ी में मंत्रि परिषद की बैठक आयोजित की गई।

आठ साल बाद पूरी हुई कार्यालयीन स्टाफ भर्ती

मध्यप्रदेश पुलिस में 438 स्टेनो व एएसआई का चयन

13 प्रतिशत पदों का परिणाम न्यायालय के आदेश से रुके

- दस्तावेज सत्यापन और मेडिकल के बाद मिलेगी नियुक्ति

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश पुलिस में करीब आठ वर्षों बाद स्टेनोग्राफर और कार्यालयीन स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो गई है। कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने सूबेदार (अ) (स्टेनो) एवं सहायक उप निरीक्षक (अ) भर्ती परीक्षा-2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। कुल 500 पदों के विरुद्ध फिलहाल 438 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है, जबकि न्यायालय के निर्देशानुसार 13 प्रतिशत पदों का परिणाम फिलहाल होल्ड रखा गया है।

88 सूबेदार और 350 एएसआई हुए चयनित-अंतिम चयन सूची के अनुसार सूबेदार (अ) (स्टेनो) के 88 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। इनमें 30 महिलाएं और 58 पुरुष शामिल हैं। वहीं सहायक उप निरीक्षक (अ) के 350 पदों पर चयन हुआ है, जिनमें 122 महिला और 228 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं। शेष पदों पर न्यायालय के आदेश के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

2025 में शुरू हुई थी भर्ती प्रक्रिया-पुलिस मुख्यालय ने लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को भरने के लिए वर्ष 2025 में भर्ती का प्रस्ताव शासन को भेजा था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की स्वीकृति के बाद 100 सूबेदार (अ) (स्टेनो) और 400 सहायक उप निरीक्षक (अ) सहित कुल 500 पदों पर भर्ती शुरू की गई। कर्मचारी चयन मंडल ने 19 सितंबर 2025 को विज्ञापन जारी किया था। आवेदन प्रक्रिया 3 से 30 अक्टूबर 2025 तक चली थी।

ओबीसी महासभा करेगी विधानसभा का घेराव

भोपाल। ओबीसी वर्ग के हक और अधिकारों की बहाली को लेकर ओबीसी महासभा ने 20 जुलाई सोमवार को भोपाल में विधानसभा घेराव का ऐलान किया है। इस आंदोलन में प्रदेशभर से ओबीसी वर्ग के विद्यार्थी, सामाजिक संगठन एवं प्रबुद्धजन शामिल होंगे। महासभा के पदाधिकारी राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य कमलेंद्र सिंह, अखिलेश सिंह ने पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में लोग भोपाल पहुंचेंगे और विधानसभा का घेराव कर अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रखेंगे। उन्होंने बताया कि आंदोलन की प्रमुख मांग विभिन्न सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग के 13 प्रतिशत आरक्षित पदों को तत्काल बहाल करने की है।

उमस भरी गर्मी से परेशान प्रदेश के बड़े शहर

भोपाल (नगर संवाददाता)

जुलाई में मध्य प्रदेश में भारी बारिश नहीं होने से मानसून कमजोर पड़ गया है, जिससे उमस भरी गर्मी बढ़ गई है। वही तापमान में भी कमी नहीं आ रही है। कई शहरों में दिन का पारा 36 डिग्री के पार पहुंच गया है। ऐसे में जुलाई में मार्च-अप्रैल जैसी गर्मी का अहसास हो रहा है।

बता दें कि जुलाई के महीने में मानसून के दौरान अक्सर बारिश की गतिविधियों के कारण तापमान कम रहता है, लेकिन मानसून के ब्रेक मोड में जाने से मध्य प्रदेश के कई शहरों में अधिकतम तापमान 35 से 38 डिग्री के पार पहुंच गया है। प्रदेश

मानसून कमजोर पड़ने से बढ़ी उमस

चार शहरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	34.0	26
ग्वालियर	38	26.5
जबलपुर	32.9	24.6
इंदौर	32.6	24.6

में बारिश नहीं होने के कारण मौसम शुष्क हो गया है।

विभाग के अनुसार 18 जुलाई तक प्रदेश में सामान्य से लगभग 7 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वही 15 जून से 15 जुलाई तक कुल बारिश 241.8 एमएम है, जोकि सामान्य 260 एमएम के मुकाबले कम है। इस कारण जुलाई में गर्मी पड़ रही है।

ग्वालियर रहा प्रदेश का सबसे गर्म शहर

मौसम वैज्ञानिक अरूण शर्मा ने बताया कि बीते 24 घंटों में ग्वालियर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, वहीं खजुराहो में तापमान 38.2 डिग्री दर्ज किया गया। वही रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भोपाल में 34.0 डिग्री, न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि अरब सागर से आ रही नम हवाएं राज्य में पहुंच तो रही हैं, जिससे बादल तो बन रहे हैं, लेकिन नमी नहीं मिलने से अच्छी बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं बन पा रही हैं। रविवार को प्रदेश में अधिकतम तापमान 34 और न्यूनतम 25 डिग्री रहने की उम्मीद है। गर्मी से परेशान लोग अब आसमान से राहत की बूंदे गिरने का इंतजार कर हैं।

खाद्य मंत्री ने बुजुर्गों की सेवा करके दिया सामाजिक संवेदना का संदेश

हर व्यक्ति बुजुर्गों के साथ समय अवश्य बिताए : राजपूत

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल,निप्र। सेवा, संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपनी पूज्य माताजी स्वर्गीय श्रीमती ज्ञान बाई की पुण्यतिथि पर वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ समय बिताया। उन्होंने न केवल बुजुर्गों के साथ भोजन किया, बल्कि उन्हें वस्त्र भेंट कर उनका हालचाल जाना और सम्मानपूर्वक उनके साथ आत्मीय संवाद भी किया।

यह आयोजन केवल मंत्री राजपूत की मां के प्रति श्रद्धांजलि का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और सामाजिक सहभागिता का सशक्त संदेश बनकर सामने आया। मंत्री राजपूत ने कहा कि बुजुर्गों की सेवा ही सबसे बड़ा संस्कार है और उनका आशीर्वाद ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।

मंत्री राजपूत ने वृद्धाश्रम के प्रत्येक कक्ष में जाकर वरिष्ठजनों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की, उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली और आश्रम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी बुजुर्गों को स्नेहपूर्वक वस्त्र भेंट किए तथा उनके स्वस्थ, सम्मानजनक और सुखद जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में उनकी धर्मपत्नी एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सागर सविता सिंह राजपूत, युवा नेता आकाश सिंह राजपूत तथा उनकी धर्मपत्नी नंदिका सिंह राजपूत भी उपस्थित रहीं। इस अवसर का सबसे भावनात्मक क्षण तब आया जब नंदिका सिंह राजपूत ने अपना जन्मदिन किसी भव्य आयोजन के बजाय वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के बीच मनाया। उन्होंने अपने हाथों से भोजन परोसकर बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। इस पहल ने यह संदेश दिया कि जीवन के विशेष अवसरों को समाज के जरूरतमंद और उपेक्षित वर्ग के साथ साझा करना ही वास्तविक उत्सव है। खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में बुजुर्गों को केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि अपनापन, सम्मान और समय की सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वृद्धाश्रम में रह रहे प्रत्येक बुजुर्ग में हमें अपने माता-पिता का स्वरूप देखना चाहिए और उनके चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने अपनी माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनसे मिले सेवा, संस्कार और मानवता के मूल्य ही उनके जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा हैं।

महत्वपूर्ण दिनों में बुजुर्गों के साथ रहें

खाद्य मंत्री राजपूत ने समाज से आह्वान किया कि जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ अथवा अन्य शुभ अवसरों पर वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ समय बिताएं। इससे उन्हें परिवार का अपनापन महसूस होगा और समाज में संवेदनशीलता एवं सामाजिक समरसता का वातावरण मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि, बुजुर्ग बोझ नहीं, हमारे संस्कारों की पहचान हैं। उनकी सेवा केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा है। जिस घर में बुजुर्ग मुस्कुराते हैं, वहां सुख, शांति और समृद्धि स्वयं निवास करती है।

बीटेक की छात्रा ने लगाई फांसी पिता ने फंदे पर लटके देखा

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र के कोटरा सुल्तानाबाद इलाके में शनिवार सुबह बीटेक फर्स्ट ईयर की छात्रा ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। । शोकाकुल परिजन के बयान होने के बाद ही आत्महत्या की वजह का पता चल सकेगा। ाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कोटरा सुल्तानाबाद निवासी अंजली राय पुत्री देवनाथ राय (19) एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा थी। अंजली ने शनिवार सुबह अपने कमरे में फांसी लगा ली। पिता की नजर पड़ते ही परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर गए। वहां से हमीदिया अस्पताल जाने की सलाह दी गई। हमीदिया अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने अंजली को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि अंजली के पिता शासकीय स्कूल में टीचर हैं जबकि मां गृहिणी हैं। परिवार में अंजली के अलावा एक भाई और एक बहन हैं।

मल्टी की दूसरी मंजिल से गिरा डेढ़ साल का बच्चा, मौत

भोपाल। कजलीखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित गौरव नगर मल्टी में दूसरी मंजिल की बालकनी से गिरकर डेढ़ साल के बच्चे की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार सुबह करीब साढ़े सात बजे के आसपास का है। मोक्ष चढ़ार पुत्र धनीराम चढ़ार की उम्र 18 माह थी। उसके पिता धनीराम प्राइवेट नौकरी करते हैं। धनीराम ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार सुबह उनका बेटा मोक्ष बालकनी में खेल रहा था। तभी बालकनी से नीचे गिर गया। चीख-पुकार सुनकर परिजन नीचे पहुंचे और उसे उठाकर निजी अस्पताल ले गए। निजी अस्पताल में करीब चार घंटे चले इलाज के बाद मोक्ष को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शॉप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल तथा ए-95 कस्तूरबा नगर भोपाल मप्र से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा। फोन: 7898826680